कोटद्वार, रविवार
14 अप्रैल 2024
वर्षः 45
अंकः 339 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

मोदीजी नही समझेंगे, आप जरूर समझेंगेः प्रियंका गांधी

रुड़की।कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को उत्तराखंड में एक रैली को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने लोगों से बहकावे में ना आकर लोकसभा चुनाव में बदलाव के लिए वोट डालने को कहा। अपने भाषण में उन्होंने भगवान राम का उदाहरण देते हुए बताया कि पीढ़ी दर पीढ़ी देश की सेवा करने को परिवारवाद नहीं कहते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि एक शहीद होता है तो दूसरा उठ खड़ा होता है, इसे देश भक्ति कहते हैं, प्रधानमंत्री मोदी इसे नहीं समझ पाएंगे। रुड़की में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा, 'मैं इनसे पूछना चाहती हूं कि भगवान राम ने क्या किया, वो मर्यादा पुरुषोत्तम क्यों कहलाए, क्योंकि अपने परिवार की मर्यादा उन्होंने रखी। अपने परिवार के उसूलों के लिए लड़े, अपने परिवार की गरिमा के लिए लड़े, अपने कुल की रक्षा की और तभी उन्होंने अपने देश की रक्षा की। अपने लोगों और अपनी प्रजा की रक्षा की। ये एक पुरानी हिन्दू परम्परा है, ये हमारे धर्म की परम्परा है। इसको परिवारवाद नही कहते, इसको सेवाभाव कहते हैं।' उन्होंने कहा, 'जो पीढ़ी दर पीढ़ी इस देश की सेवा करता है। इसको देश भक्ति कहते हैं कि एक शहीद होता है तो दूसरा खड़ा होता है। और दूसरा शहीद होता है तो तीसरा खड़ा होता है। और तीसरा शहीद होगा तो चौथा खड़ा होगा। कुछ नहीं चाहिए हमें आपसे, आपने बहुत दे दिया है। आपने इतना दे दिया है कि दस पीढ़ी नहीं चुका सकती। आप हमें नहीं चाहते तो कोई बात नहीं, तब भी हम सेवा करेंगे, हम मांगेंगे नहीं। हम जितना कर सकते हैं करेंगे।' प्रियंका ने आगे कहा, 'एक सच्ची आस्था होती है, एक सच्ची श्रद्धा होती है, ये मोदी जी नहीं समझ पाएंगे लेकिन आप समझेंगे, क्योंकि आपने सरहद पर अपने बेटों को भेजा है। इसलिए आप समझेंगे, आपके बेटे कुमाऊंरेजीमेंट, गढ़वाल रेजीमेंट के बेटे हैं, इस देश के लिए शहीद होने के लिए तैयार हैं। इस देश के लिए पीढ़ी दर पीढ़ी शहीद हुए हैं, इसलिए इस भावना को आप समझ सकते हैं, मोदीजी नहीं समझ सकते हैं। उन्होंने इस देश के लिए कुछ त्याग नहीं किया है। त्याग आपने किया है, इस देश की धरती के लिए इस देश की मिट्टी के लिए। आप समझ सकते हैं कि एक परिवार इस देश के लिए त्याग करता है, इस देश के लिए शहीद होता, उसका क्या मतलब है और उसके दिल में देश के लिए कैसी श्रद्धा होगी।' 'भई तुम हमसे इतना क्यों डर रहे हो' : अपने परिवार के खिलाफ चल रहे केसों और विभिन्न कार्रवाई को लेकर प्रियंका ने कहा, 'मैं इन सबको बताना चाहती हूं, आप केस डाल दो, संसद से निकाल दो, घर से निकाल दो, आप हमें भ्रष्टाचारी बोलो, तमाम केस डाल दो, एजेंसियों को हमारे पास भेज दो, मेरी 75 साल की माता जी को भेज दो ईडी के पास पूछताछ कराने के लिए, मेरे पति को भेज दो, मेरे भाई को भेज दो, हमारे पूरे परिवार को भेज दो, हमें कोई परवाह नहीं है। पता है हमें क्या दिखता है, हमें आपका भय दिखता है, हमें आपका भय दिखता है कि भई तुम इतना डर क्यों रहे हो हमसे।' 'आप नहीं जागे तो 5 साल और भुगतना पड़ेगा' : लोगों से कांग्रेस को वोट देने की अपील करते हुए प्रियंका ने कहा, 'इस देश का सत्य, इस देश की जनता के संघर्ष में है, जिसे देश की जनता को पहचानना होगा। आपको उठना पड़ेगा, आपको जागना पड़ेगा, जागो और तय करो कि इस बार जो आप सरकार लाओगे वो आपकी सरकार होगी। वो एक ऐसी सरकार होगी जो आपके लिए काम करेगी, जिसकी योजनाएं आपके लिए बनेंगी, बड़े–बड़े उद्योगपतियों के लिए नहीं। जो आपके लोन पास करेगी, आपके कर्ज माफ करेगी, सिर्फ बड़े–बड़े उद्योगपतियों के नहीं। आप समझ लीजिए कि अब समय आ गया है।

'जो राम को लाए हैं, उन्हें पुनः लाने का संकल्प ले लिया है'-योगी आदित्यनाथ

हल्द्वानी : लोकसभा चुनाव के लिए क्षेत्र में प्रचार अब आखिरी चरण में पहुंचने को है। नैनीताल–ऊधम सिंह नगर लोकसभा सीट में चुनावी माहौल को गरमाने के लिए शनिवार को उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जनसभा ने को संबोधित किया। इस दौरान योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बाबा श्री केदारनाथ जी की पावन धरा, देवभूमि उत्तराखंड ने 'जो राम को लाए हैं', उन्हें पुनः लाने का संकल्प ले लिया है। हर बूथ पर राष्ट्रवाद का कमल खिलने जा रहा है। बाबा श्री केदारनाथ जी की पावन धरा, देवभूमि उत्तराखण्ड ने 'जो राम को लाए हैं', उन्हें पुनः लाने का संकल्प ले लिया है। हर बूथ पर राष्ट्रवाद का कमल खिलने जा रहा है। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बेटी और व्यापारियों को परेशान करने वालों की जगह जेल या जहनुम्म में होगी। सात वर्ष में यूपी में कोई दंगा नहीं हुआ और न ही कर्फ्यू लगा। अब कावड़ यात्रा बम बम के साथ निकल रही है। अब बमबाजी नहीं होती।

हर समस्या की जड़ कांग्रेस

उत्तर प्रदेश को उत्तराखंड से अलग नहीं कर सकते हैं। उत्तराखंड से निकलने वाले पानी से ही उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बनता है। अगर कोई भी अपराधी उत्तर प्रदेश में अपराध कर उत्तराखंड भागना चाहता है तो उस किसी लायक नहीं छोड़ेंगे। उत्तराखंड की पवित्र भूमि को अपवित्र नहीं होने देंगे। सीएम योगी ने कहा कि भारत आज पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तेजी से तरक्की कर रहा है। यूपी में डिफेंस कॉरिडोर बन रहा है। रक्षा उत्पादन के रूप में भारत आत्मनिर्भर बन रहा है। योगी ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हर समस्या की जड़ कांग्रेस रही है। कांग्रेस ने ही भ्रष्टाचार, अलगावाद को जन्म दिया।

उन्होंने लोगों से नैनीताल उधम सिंह नगर सीट से भाजपा प्रत्याशी अजय भट्ट को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी योगी की तारीफ करते हुए कहा कि आज पूरे देश में बच्चा बच्चा उन्हें बुलडोजर बाबा के नाम से जानता है।

तृतीय केदार श्री तुंगनाथ के 10 मई और द्वितीय केदार मद्महेश्वर के कपाट 20 मई को खुलेगें

जयन्त प्रतिनिधि।

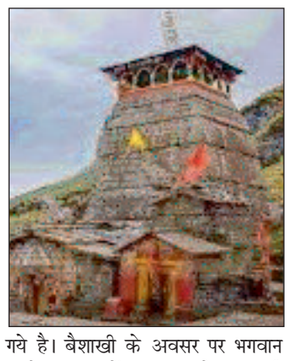

रूद्रप्रयाग : बैसाखी के शुभ अवसर पर पंचकेदार गद्दीस्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में यज्ञ हवन के पश्चात विधि-विधान तथा पंचांग गणना पश्चात आचार्य गणों-वेदपाठियों के द्वारा मंदिर समिति अधिकारियों-हकहकूकधारियो की उपस्थिति में कपाट खुलने की तिथि निश्चित हुई, जबकि श्री तुंगनाथ जी के कपाट खुलने की तिथि शीतकालीन गद्दी स्थल श्री मार्कंडेय मंदिर ऊखीमठ में पूजा-अर्चना पंचांग गणना के पश्चात तय हुई। इस अवसर पर श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने अपने संदेश में श्रद्धालुओं को बैसाखी की शुभकामनाएं दी है। कहा कि श्री मदमहेश्वर तथा तुंगनाथ जी की यात्रा शुरू होने से पहले मंदिर समिति यात्रा तैयारियों में जुट गयी है। बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय आज सायंकाल में श्री मद्महेश्वर भगवान के डोली में आरोहण के बिखौत मेला कार्यक्रम में शामिल होने भगवान मद्महेश्वर के चल विग्रह के दर्शन हेतु श्री ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ पहुंच गये है। बैशाखी के अवसर पर भगवान मद्महेश्वर रथ में आरूढ़ हो कर श्री ओंकारेश्वर मंदिर परिसर में दर्शन देते है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन भगवान मद्महेश्वर जी की डोली के दर्शन को पहुंचते हैं। शनिवार को ही श्री मदमहेश्वर जी की उत्सव डोली जी के श्री मदमहेश्वर प्रस्थान का भी कार्यक्रम घोषित हुआ। बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी योगेन्द्र सिंह ने बताया कि श्री मद्महेश्वर तथा श्री तुंगनाथ जी की यात्रा तैयारियों को बीकेटीसी द्वारा अंतिम रूप दिया जा रहा है इसके लिए जिला प्रशासन रुद्रप्रयाग से लगातार समन्वय किया जा रहा है। मुख्य कार्याधिकारी ने बताया कि श्री मद्महेश्वर जी के कपाट खुलने के कार्यक्रमानुसार श्री मदमहेश्वर जी की उत्सव डोली बृहस्पतिवार 16 मई को श्री ओंकारेश्वर मंदिर प्रांगण में विराजमान होगी। 17 मई को श्री ओंकारेश्वर मंदिर में विश्राम तथा 18 मई को श्री ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ से प्रस्थानकर प्रवास हेतु राकेश्वरी मंदिर रांसी पहुंचेगी। 19 मई को रांसी से रात्रि विश्राम हेतु गौडार पहुंचेगी। 20 मई को गौंडार से प्रातः काल श्री मद्महेश्वर जी की उत्सव डोली श्री मदमहेश्वर मंदिर परिसर पहुंचेगी इसी दिन सोमवार 20 मई पूर्वाह्न 11.15 बजे कर्क लग्न में श्री मदमहेश्वर मंदिर के कपाट खुलेंगे। इसी तरह श्री तुंगनाथ जी की उत्सव डोली मंगलवार 7 मई को श्री मार्कंडेय मंदिर से भूतनाथ मंदिर में प्रवास करेगी। 9 मई को भूतनाथ मंदिर से चलकर चोपता प्रवास करेगी 10 मई को चोपता से श्री तुंगनाथ पहुंचेगी तथा इसी दिन 10 मई दिन 12 बजे कर्क लग्न में श्री तुंगनाथ मंदिर के कपाट खुलेंगे।

मोदी का प्रणाम घर घर पहुंचाएंगे भाजपा के 33 हजार पदाधिकारी

देहरादून।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से ऋषिकेश रैली के जरिए प्रदेश वासियों को भेजे गए प्रमाण को लेकर भाजपा के 33 हजार पदाधिकारी घर घर पहुंचाएंगे।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने संगठन के सभी पदाधिकारियों को इसके निर्देश दिए हैं।

विदित है कि गुरुवार को ऋषिकेश में आयोजित रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी कार्यकर्ताओं को घर घर जाकर बड़े बुजुर्गों को प्रणाम पहुंचाने की अपील की थी।

इसके बाद मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान लोगों तक प्रधानमंत्री के इस संदेश को पहुंचाने की शुरूआत की थी। इसके बाद अब भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने पार्टी के सभी पदाधिकारियों को यह संदेश घर घर तक पहुंचाने की अपील की है।

भाजपा और कांग्रेस दोनों ही जनविरोधी हैं : मायावती

रुड़की। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ही जनविरोधी हैं। धर्म की आड़ में अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न किया गया। सरकार पांच किलो मुफ्त राशन देकर गरीबों के साथ मजाक कर रही है। गरीब को राशन के साथ–साथ रोजगार चाहिए। शनिवार को हरिद्वार जिले के रुड़की में लिब्बरहेड़ी में जनसभा को संबोधित करते हुए बसपा सुपीमो ने बसपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने की अपील की। कहा कि बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों ने अल्पसंख्यकों के साथ छलावा किया है। मायावती ने भाजपा और कांग्रेस पर बराबर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि दोनों ही दलों ने जातिवादी मानसिकता के साथ काम किया है। इन्होंने लोगों का विकास नहीं किया बल्कि केवल वोट बैंक के लिए इस्तेमाल किया।

उन्होने ईवीएम पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि ईवीएम मशीनों में कोई गड़बड़ी नहीं हुई। फ्री और फेयर चुनाव हुए तो भाजपा का दोबारा केंद्र की सत्ता में लौटना आसान नहीं होगा। देश में गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी आदि से जनता त्रस्त है।

धर्म के नाम पर लोगों का उत्पीड़न किया जा रहा है। आज भ्रष्टाचार चरम पर है। देश की सीमाएं भी सुरक्षित नहीं है। केंद्र की गलत नीतियों और कार्य प्रणाली को लोग आजमा चुके हैं। साम–दाम–दण्ड–भेद हर हथकंडा अपनाकर राजनीतिक दल सत्ता में आने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने अपील की कि विरोधी दलों के वादों और घोषणा पत्र के झांसे में नहीं आना है। बसपा घोषणा पत्र जारी नहीं करती केवल कार्य करने में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि भाजपा कांग्रेस के बहकावे में नहीं आना है। बल्कि सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय वाली पार्टी बसपा को ही वोट देना है। बसपा सरकार में हर वर्ग के हितों का ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान की अपील की। कहना था कि बीएसपी प्रत्याशियों को मतदाता वोट की राजनीति से ऊपर उठ जाएंगे।

मायावती ने कहा कि उत्तराखंड में प्रकृति के साथ लगातार खिलवाड़ किया जा रहा है। कहीं जमीन खिसक रही है तो कहीं पहाड़। उन्होंने कहा कि जब उत्तराखंड यूपी में हुआ करता था और उनकी सरकार थी तो यहां के लोगों को मुलभूत सुविधाएं दी जाती थी। एक व्यवस्थित ढंग से पहाड़ों का विकास किया था। उन्होंने कहा कि यूपी में बसपा की चार बार सरकार रही है। इन कार्यकाल में जो विकास हुआ है अब वो नहीं हो रहा है। कहा कि जब यूपी और उत्तराखंड एक था और सरकार बसपा की थी तो बसपा ने कोई भेदभाव नहीं किया। कई जिले और तहसील बनाई। कांग्रेस की तरह भाजपा भी जातिवादी और पूंजीवादी राजनीति कर रही है। आरक्षण का लाभ भी लोगों को ठीक से नहीं मिल रहा है। इसकी प्रमुख वजह तमाम सेक्टर को निजी हाथ में देना।

एक नजर

नवरात्र के पांचवें दिन स्कंद माता की विशेष पूजा अर्चना

देहरादून।लाल लाल चुनरी सितारों वाली, जिसे ओढ़ के आई है मां शेरों वाली..,चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है..,नंगे नंगे पांव चल आ गया रे मां इक तेरा पुजारी..,आ मां आ तुझे दिल ने पुकारा..,जैसे सुमधुर भजनों के माध्यम से माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर गुंजायमान हो गया। मंदिर में अयोजित विशेष चैत्र नवरात्रि पूजा अनुष्ठान में वातावरण और भी भक्तिमय नजर आया। माता के पंचम स्वरूप स्कंदमाता की विशेष पूजा अर्चना के बाद श्री शतचंडी पूजा अनुष्ठान का दिव्य शुभारंभ हरिद्वार से आए विद्वानों द्वारा किया गया। मंदिर में श्री दुर्गा सप्तशती का सामूहिक पाठ कर किया गया। दिन भर भक्तों ने माता वैष्णों को चुन्नी, नारियल आदि भेंट कर परिवार की सुख शांति और समृद्धि के लिए विशेष पूजा अर्चना की। सायंकाल में माता वैष्णों का विशेष श्रृंगार और आरती होगी। कार्यक्रम में आचार्य डॉ. बिपिन जोशी, डॉ. मथुरा दत जोशी, भगवती जोशी, गीता जोशी, शोभा जोशी, रजनी पंत, पंडित गणेश बिजल्वाण, अरविंद बडोनी, सन्तोष ढोंडियाल का विशेष सहयोग रहा। वहीं पृथ्वीनाथ मंदिर में माता के पंचम स्वरूप की पूजा अर्चना की गई। साथ ही दुर्गा सप्तशती के पाठ भी किए गये।

हॉलीडे पैकेज देकर दंपति से 99 हजार रुपये हड़पे

देहरादून।दून निवासी दंपति से हॉलीडे पैकेज के नाम पर 99 हजार रुपये की धोखाधड़ी की गई। पुलिस ने तीन महिलाओं समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।डालनवाला कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक राकेश गुसाईं ने बताया कि अनीता सिंघा निवासी सरस्वती कालोनी स्मिथनगर प्रेमनगर ने तहरीर दी कि सितंबर में उन्होंने कार खरीदी थी। इसके बाद उनके पति के नंबर पर अनजान व्यक्ति का कॉल आया। कॉल करने वाले ने बताया कि कार के साथ उन्हें एक बाउचर मिला है। बाउचर लेने के लिए उन्हें राजपुर रोड स्थित एक होटल में बुलाया गया। 24 दिसंबर 2023 को वो पति के साथ होटल पहुंची। यहां उन्हें परवीन सरकार नाम की युवती मिली। उसने बताया कि उन्हें बाउचर में एक हॉलीडे पैकेज मिला है, इसके लिए उन्हें 99 हजार रुपये देने होंगे। आरोप है कि बातों में फंसाकर उनसे ऑनलाइन नकदी ले ली गई। एक एग्रीमेंट पर भी साइन कराए गया। अंत में उन्हें बाउचर की एक कॉपी दी गई। घर पहुंचकर जब उन्होंने बाउचर खोला तो वो फर्जी निकला। वापस कॉल करने पर परवीन सरकार ने रिफंड करने से मना कर दिया।

हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण आदेशः वैवाहिक स्थिति से नहीं, जन्म से निर्धारित होती है जाति

नैनीतालः हाई कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ ने एक मामले में महत्वपूर्ण निर्णय पारित किया है। निर्णय में एकलपीठ ने कहा है कि किसी व्यक्ति की जाति उसके जन्म से निर्धारित होती है, ना कि वैवाहिक स्थिति से। यह निर्णय एक गुज्जर महिला से जुड़े मामले में किया गया था, जिसने पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के निवासी एक सामान्य जाति के पुरुष से विवाह किया है। न्यायालय ने हरिद्वार जिले के भगवानपुर तहसीलदार के महिला के जाति प्रमाण पत्र से संबंधित आवेदन को रद करने के निर्णय को निरस्त कर दिया है। साथ ही तहसीलदार को आठ सप्ताह के भीतर जाति प्रमाण पत्र जारी करने के याचिकाकर्ता के दावे की जांच करने का आदेश दिया है। याचिकाकर्ता महिला के अनुसार वह उत्तराखंड की स्थायी निवासी है और उसका जन्म एक गुज्जर परिवार में हुआ था, जिसे यहां अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के रूप में मान्यता प्राप्त है। उसने जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था, लेकिन उसके अनुरोध को तहसीलदार ने केवल इस आधार पर खारिज कर दिया कि वह अब विवाहित है। सरकारी अधिवक्ता की ओर से ने तर्क दिया कि महिला के पति उत्तर प्रदेश के निवासी हैं, इसलिए महिला को ओबीसी प्रमाणपत्र जारी करना संभव नहीं है। इस पर न्यायालय ने कहा कि याचिकाकर्ता के आवेदन को खारिज करने के लिए जो आधार अपनाया गया है, वह कानून की नजर में टिकाऊनहीं है। कोर्ट ने निर्णय में कहा है कि इस बात पर कोई विवाद नहीं हो सकता कि जाति जन्म से निर्धारित होती है और अनुसूचित जाति के किसी भी व्यक्ति के साथ विवाह से जाति नहीं बदली जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में सुनीता सिंह बनाम यूपी राज्य के मामले में यह निर्णय दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय में कहा था कि व्यक्ति की जाति की स्थिति उसके जन्म से निर्धारित होती है, ना कि विवाह से। विवाह से किसी व्यक्ति की जाति नहीं बदलती। नैनीताल हाई कोर्ट की एकलपीठ ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आधार पर याचिकाकर्ता की याचिका स्वीकार करते हुए तहसीलदार भगवानपुर का का 21 मार्च का जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन निरस्त करने का आदेश रद कर दिया।

यमुना में नहाते समय डूबने से कंपनी के दो श्रमिकों की मौत

विकासनगर।कोतवाली क्षेत्र में डुमेट के पास यमुना में नहाने गए कंपनी के दो श्रमिकों की डूबने से मौत हो गई। जबकि एक श्रमिक ट्यूब के सहारे किसी तरह से बच गया। सूचना पर मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने श्रमिकों के शवों को नदी से बाहर निकाला। मृतक श्रमिकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए डॉक्टरगंज स्थित मोर्चरी में रखवा दिया है। परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा। बैसाखी की छुट्टी होने के चलते शनिवार को सेलाकुई स्थित एक कंपनी में काम करने वाले आठ श्रमिक दोपहर में घूमने के लिए डुमेट की ओर गए। दिन में भीषण गर्मी होने पर यमुना में नहाने के लिए उतर गये। नहाने के लिए युवकों ने टायर की ट्यूब का सहारा लिया। लेकिन जैसे ही युवक नहाते हुए नदी की मुख्य धारा की ओर गए। तेज बहाव ने युवकों को अपनी चपेट में ले लिया। एक युवक तो ट्यूब का सहारा लिए हुए रहा। लेकिन दो युवक नदी के तेज बहाव की चपेट में आ गए। कुछ दूर बहने के बाद दोनों युवक 22 वर्षीय संदीप थापा पुत्र दीवान सिंह निवासी अल्मोडा और 23 वर्षीय ऋतिक उपाध्याय पुत्र कमलेश उपाध्याय निवासी कनालीछीना पिथौरागढ़ की डूबकर मौत हो गई। एसडीआरएफ के अपर उप निरीक्षक सुरेश तोमर ने बताया कि दोनों युवकों के शवों को निकालकर पुलिस को सौंप दिया है।

बैशाखी स्नान पर्व पर श्रद्धालुओं ने लगायी आस्था की डुबकी

हरिद्वार। बैशाखी पर्व पर शहर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। हरकी पैड़ी समेत अन्य घाटों पर श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। इसके बाद मंदिरों में दर्शन कर सुख–समृद्धि की कामना की। बैशाखी स्नान के लिए श्रद्धालु सुबह से ही हरकी पैड़ी ब्रह्मकुंड पहुंचने लगे थे। हर–हर गंगे, जय मां गंगे के जयघोष के साथ स्नान का क्रम शुरू हुआ और दिन चढ़ने के साथ श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती गई। हरकी पैड़ी गंगा घाट के साथ ही मालवीय घाट, कांगड़ा घाट, नाई सोता घाट, सुभाष घाट, गऊघाट पर भी श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगाते दिखे।

अगर मैं नौसिखिया बोलूंगा तो आप इसे किसी खास से जोड़ लेंगे, पीएम मोदी की टिप्पणी के बाद सियासत तेज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एक वीडियो जारी कि, जिसमें वे शीर्ष गेमर्स के साथ बातचीत कर रहे थे। वीडियो में उन्होंने गेमर्स के साथ गेमिंग से जुड़े नूब और ग्राइंड शब्दों पर चर्चा की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि अगर मैं ह्यूनूबह्व नौसिखिया बोलूंगा तो आप इसे किसी खास से जोड़ लेंगे।

कांग्रेस नेता ने दी प्रतिक्रिया

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने पीएम मोदी की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुझे नहीं पता कि वे किसके बारे में बात कर रहे हैं लेकिन इतना तो साफ है कि वह एक विपक्षी नेता के बारे में बात कर रहे हैं। उनकी टिप्पणी से ऐसा लग कर रहा है कि वे किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में बात कर रहे हैं, जिसने विश्व के शीर्ष विश्वविद्यालयों में पढ़ाई की है। लोकसभा चुनाव नजदीक है, ऐसे में यह सिर्फ भाजपा की रणनीति है। इसका उल्टा असर होगा।

पीएम ने किसी का नाम नहीं लिया तो कांग्रेस क्यों दे रही है प्रतिक्रियाः पूनावाला

वहीं, भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणी पर विपक्षी नेता ने प्रतिक्रिया दी, जिससे इस बात की पुष्टि हो गई है कि राजनीति का नूब कौन है। एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने किसी का नाम नहीं लिया तो कांग्रेस नेता प्रतिक्रिया क्यों दे रहे हैं। इसके अलावा, भाजपा की लोकसभा उम्मीदवार कंगना रनौत ने गेमर्स के साथ पीएम मोदी की बातचीत का वीडियो पोस्ट करते हुए पूछा कि यह नौसिखिया कौन है।

देश जानता है कि सबसे बड़ा नौसिखिया कौन है

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरूण चुघ ने कहा कि पूरा देश जानता है कि विपक्ष का सबसे बड़ा नौसिखिया कौन है। इंडी गठबंधन में कई राजकुमार और राजकुमारियां हैं, जिन्हें जमीनी हकीकत के बारे में कुछ नहीं पता है। उन्हें देश की समस्याओं की कोई जानकारी ही नहीं है। उन्हें देश के बारे में नहीं पता है। ये वही नेता है, जिन्होंने सेवन स्टार स्कूल–कॉलेजों में फाइव स्टार कल्चर सीखा है। यह वही नेता हैं, जो हेलीकॉप्टर में उड़ते हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन में ऐसे तो कई सारे नौसिखिये हैं लेकिन आपको यह पता होना चाहिए कि सबसे बड़ा नौसिखिया कौन है। देश की जनता भी जानती है कि भारत का सबसे बड़ा नौसिखिया कौन है।

कांग्रेस की नई सूची में 16 नाम; मंडी से विक्रमादित्य, चंडीगढ़ से मनीष तिवारी को टिकट

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को लोकसभा चुनाव के लिए 16 और उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी। सूची में चंडीगढ़ लोकसभा सीट के अलावा, गुजरात की चार, हिमाचल प्रदेश की दो और ओडिशा की नौ लोकसभा सीट के लिए उम्मीदवारों का एलान किया गया है। इसके साथ ही पार्टी ने गुजराज की पांच विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए भी उम्मीदवारों का एलान कर दिया है।

सूची में पूर्व केंद्रीय मंत्री मनीष तिवारी को चंडीगढ़ संसदीय क्षेत्र से मैदान में उतारा गया है। वहीं, पार्टी ने हिमाचल की मंडी लोकसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह को टिकट दिया है।

आतंकवादियों का खात्मा करते वक्त नियम नहीं देखेंगे-जयशंकर

पुणे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक बार फिर पाकिस्तान को आतंकवाद को लेकर घेरा है। जयशंकर ने कहा कि अगर भारत पर सीमा पार से आतंकी हमला होगा तो उसका जवाब देने के लिए हमारा देश प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि चूंकि आतंकवादी नियमों के अनुसार नहीं चलते, इसलिए हमारे लिए भी उनका जवाब देने के लिए कोई नियम नहीं हो सकता।

कांग्रेस पर बोला हमला

जयशंकर ने 2008 में 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों पर बोलते हुए कांग्रेस की तत्कालीन यूपीए सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकारी स्तर पर बहुत विचार–विमर्श के बाद भी उस समय कुछ भी सार्थक परिणाम नहीं निकला।

हमलों का जवाब नहीं दिया तो वो रुकेंगे नहीं

'भारत क्यों मायने रखता हैः युवाओं के लिए अवसर और वैश्विक परिदृश्य में भागीदारी' नामक एक कार्यक्रम में युवाओं के साथ बातचीत करते हुए जयशंकर ने कहा कि अगर अब इसी तरह का हमला होता है और कोई उस पर प्रतिक्रिया नहीं करता है, तो आगे ऐसे हमलों को कैसे रोका जा सकता है।

संविधान की सफलता जनमत पर निर्भर—डॉ. अंबेडकर

रघु ठाकुर

14 अप्रैल डॉ भीमराव अंबेडकर बाबा साहब का जन्मदिन है। किसी व्यक्ति का जन्मदिन अपने आप में महत्व का नहीं होता बल्कि वह इन प्रतीक दिनों पर उनके कामों की चर्चा, उनकी प्रासंगिकता पर चर्चा करने का एक निमित्त होता है।

बाबा साहब की प्रासंगिकता उनके जीवन काल के बाद निरंतर बढ़ रही है और अपने अंतिम जीवन काल में वे जितने अकेले और निराशा में थे, अगर आज वे जिंदा होते तो शायद उस अकेलेपन या सामाजिक मान्यता के अभाव की निराशा से मुक्त हो चुके होते। क्योंकि—कुछ ऐसी स्थिति का निर्माण हुआ है की भले ही कोई उन्हें ना मानने वाला हो या उनका आलोचक भी हो पर उनके विरुद्ध बोलने का साहस नहीं कर सकता। इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि डॉक्टर अंबेडकर के समर्थन की सीमाएं अब महाराष्ट्र या उसके सीमाई क्षेत्र से बाहर निकल कर उत्तर भारत में भी पहुंची है। और हिंदी प्रदेश विशेषतरू उत्तर प्रदेश, हरियाणा में उनके समर्थकों या मानने वालों की संख्या में खासी वृद्धि हुई है। साथ ही उनके समर्थकों में एक विशेष प्रकार की एकजुटता व आक्रमकता भी आई है। जिससे उनकी खिलाफत करने वाले भी बचते हैं। अनुसूचित जाति के उनके समर्थक वोट भले ही किसी को देते हों परंतु बाबा साहब उनके लिए एक प्रेरणा का स्रोत व स्वाभिमान के प्रतीक हैं। और देश में शायद सर्वाधिक स्वप्रेरणा से उनकी छोटी बड़ी प्रतिमाओं का निर्माण उनके मानने वालों ने अपने—अपने इलाकों में किया है। अगर किसी नेता की प्रतिमा के क्षतिग्रस्त होने पर सबसे तीखी व उग्र प्रतिक्रिया होती है तो वह बाबा साहब के समर्थकों की होती है। दरअसल पिछले 10 वर्षों से केंद्र में श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनी भाजपा सरकार के कामकाज से देश के पढ़े—लिखे तबके और वंचित व अल्पसंख्यक तबकों में यह भावना पनपी है (सही या गलत) कि मोदी सरकार संविधान को बदलना चाहती है और एक धर्म का देश बनाना चाहती है, जो सरकार की मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का घोषित लक्ष्य रहा है। सरकार के कामकाज के तरीकों से इस आशंका को बल मिलना स्वाभाविक है। जिस प्रकार पिछले वर्षों में विशेषतरू श्री नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल में देश की संवैधानिक और लोकतांत्रिक परंपराओं को बलाए ताक रखा गया है, प्रतिपक्ष को खत्म करने या घुटने टेक करने का प्रयास किया गया है, संविधान प्रदत्त देश के संघीय ढांचे को एक केंद्रीय या एकात्मक ढांचे में बदलने के प्रयास चल रहे हैं, सरकारी जांच संस्थाओं का प्रयोग एकपक्षीय हो रहा है, मीडिया को केवल सत्ता प्रचार का माध्यम बनने तक सीमित किया जा रहा है। राजनीति और चुनाव में धन (काला या सफेद)और कारपोरेट की भूमिका जिस तेजी से बढ़ रही है। उससे इस आशंका को वास्तविक खतरा महसूस करने के तार्किक कारण बनते हैं। और इसलिए जो लोग संविधान को बदलना चाहते हैं या संविधान को दरकिनार कर उसकी भावना व आत्मा को मारकर केवल शब्दों से खेलना चाहते हैं वे भी बेमन से या रणनीति के तहत ही सही ऊंची आवाज में बाबा साहब का नाम उच्चारण करते हैं और उनकी पाषाण प्रतिमाओं की पूजा करते हैं।

दूसरी तरफ सत्ताकांक्षी प्रतिपक्ष जो अपने राजनीतिक जनाधार को बचाए रखने के लिए बाबा साहब के नाम का इस्तेमाल कर रहा हैं वह भी भले ही बाबा साहब के विचार को न मानता हो परंतु उनका इस्तेमाल कवच व तलवार के रूप में करता है। उसके लिए एक शाब्दिक जुमला चलाया गया है कि बाबा साहब का संविधान और अनुसूचित जाति के मतदाताओं में यह बात पहुंचाने का प्रयास करता है कि यह संविधान केवल बाबा साहब की निर्मिति है और उनके विचारों की प्रतिध्वनि है। सत्ता पक्ष अपनी जातीय व सांप्रदायिक सोच के कारण बाबा साहब के संविधान को बदलना चाहता है। सत्ताकांक्षी प्रतिपक्ष भी भले ही बाबा साहब को न मानता हो उसके वैचारिक या सैद्धांतिक आदर्श भले ही बाबा साहब जैसे ना हो परंतु वह कम से कम अपने वोट के लिए अपने आधार को बचाने के लिए बाबा साहब के नाम का भजन तो करता है।आज यह विचार करना चाहिए कि क्या हम आर्थिक व सामाजिक समानता प्राप्त कर सके हैं?? बाबा साहब चाहते थे कि संविधान में समाजवाद के प्रावधानों को वाध्यकारी रूप में शामिल किया जाए। पर क्या आज का सत्ता पक्ष या सत्ताकांक्षी प्रतिपक्ष इसके लिए तैयार है?? और है, तो कहे कि हम सब मिलकर देश की आर्थिक, सामाजिक विषमता को मिटाने वाले प्रावधान संविधान में शामिल करेंगे। जो बाबा साहब करना चाहते थे, परंतु तात्कालिक परिस्थितियों में नहीं कर सके थे। बाबा साहब का मत था कि आने वाली पीढ़ी अपने विचारों के अनुसार परिवर्तन चाहेगी और उसे स्थाई रूप से अतीत का बंदी नहीं बनाना चाहिए। याने हर कालखंड की युवा पीढ़ी को अपने सोच व निष्कर्षों को प्रयोग करने का अधिकार व व्यवस्था होना चाहिए। बाबा साहब तो राजकीय समाजवाद चाहते थे याने ऐसे प्रावधान जिसमें समता कानूनी बाध्यता हो। और आज का सत्ता पक्ष व सत्ताकांक्षी प्रतिपक्ष तो राजकीय पूंजीवाद स्थापित कर रहा है। सांप्रदायिक सोच व एक धर्म का राष्ट्र निर्माण करने वाली जमातें संविधान को प्रतिदिन जलाने जैसा काम कर रही है। और उनके मन में यह प्रबल आकांक्षा है कि बाबा साहब के आक्रोश में व्यक्त किए गए शब्दों की ओट में संविधान के वर्तमान मूल ढांचे को बदल दें। धर्मनिरपेक्षता के बजाय हिंदू राष्ट्र, समाजवाद और लोकतांत्रिक शब्दों को ही प्रस्तावना से हटाकर वर्तमान संघीय ढांचे को ही समाप्त कर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मूल सपने के अनुसार यूनेटरी संविधान याने शक्तिशाली केंद्र व कमजोर राज्य, होना चाहिए। जैसा प्राचीन काल में होता था कि एक महाराजा उनके नीचे छोटे—छोटे राजा वैसा ही परिवर्तित संविधान बना लें। यह भी खुश—पुश चर्चा है कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ देश के संघीय संसदीय लोकतंत्र के वर्तमान स्वरूप को बदलकर अमेरिका जैसी राष्ट्रपति प्रणाली में बदलना चाहता है।

तबाही का सबब बनेंगी ग्लेशियर पिघलने से बनी झीलें

सुबोध कुमार मौर्य

संयुक्त राष्ट्र महासचिव हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियरों के पिघलने से बेहद चिंतित हैं। उनकी चिंता का सबब यह है कि दुनिया के वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते सदी के अंत तक हिंदूकुश हिमालयी क्षेत्र के ग्लेशियर 75 फीसदी तक नष्ट हो जाएंगे। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने कहा है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण बीते 30 साल में नेपाल के पहाड़ों से एक तिहाई बर्फ खत्म हो गई है। गौरतलब है कि बीते साल के आखिर में गुटारेस ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के आसपास के क्षेत्र का दौरा किया था। उस समय उन्होंने सोलुखुंबू इलाके का दौरा करने के बाद हिमालयी क्षेत्र के ग्लेशियरों के पिघलने से हो रहे खतरों से आगाह करते हुए कहा था कि दो प्रमुख कार्बन प्रदूषकों भारत और चीन के बीच इस हिमालयी क्षेत्र में स्थित नेपाल के ग्लेशियर पिछले दशक में 65 फीसदी से अधिक तेजी से पिघले हैं। आज जरूरत जीवाश्म ईंधन के युग को समाप्त करने की है। ग्लेशियरों के पिघलने का मतलब है तेजी से समुद्र का बढ़ना और विश्व समुदाय पर बढ़ता खतरा। इसीलिए मैं दुनिया की छत से इस वैश्विक खतरे के प्रति आगाह कर रहा हूं। क्योंकि दुनिया के वैज्ञानिक बार—बार यह चेता चुके हैं कि पिछले 100 वर्षों में पृथ्वी का तापमान 0.74 डिग्री सैल्सियस के औसत से बढ़ चुका है। लेकिन दक्षिण एशिया के हिमालयी क्षेत्र में गर्मी औसत से भी अधिक रही है। इसमें हो रही दिनोंदिन बढ़ोतरी बड़े खतरे का संकेत है। सबसे बड़ा खतरा ग्लेशियरों के पिघलने से बन रही झीलों से है जो तबाही का सबब बन रही हैं। 2013 में आई केदारनाथ आपदा इसकी जीती—जागती मिसाल है।

अब उत्तराखण्ड को लें, बीते दिनों उत्तराखण्ड की राजधानी देहरादून स्थित राज्य सचिवालय में आपदा प्रबंधन सचिव डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में हुई बैठक में विशेषज्ञों ने राज्य के ग्लेशियरों और झीलों पर पेश रिपोर्ट में कहा कि वाडिया हिमालयन भू—विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा राज्य के ग्लेशियरों की निगरानी से यह खुलासा हुआ है कि तापमान बढ़ोतरी की वजह से ग्लेशियर न केवल तेजी से पिघल रहे हैं बल्कि वह तेजी से पीछे भी हट रहे हैं। इनके द्वारा खाली की गई जगह पर ग्लेशियरों द्वारा लाए गए मलबे के बांध या मोरेन के कारण झीलें आकार ले रही हैं। इनसे जोखिम लगातार बढ़ रहा है। यहां पर केदारताल, भिलंगना और गौरीगंगा ग्लेशियरों ने आपदा के लिहाज से खतरे की घंटी बजाई है। वैज्ञानिकों ने इन्हें संवेदनशील बताया है और कहा है कि गंगोत्री ग्लेशियर के साथ ही इस इलाके में 13 ग्लेशियर झीलें भी जोखिम के लिहाज से चिन्हित हुई हैं जो भयावह खतरे का सबब हैं।

देश के उत्तर के पर्वतीय क्षेत्र में लद्दाख का पैंगोंग इलाका जो पर्यटन की दृष्टि से ख्याति प्राप्त, बहुत ही आकर्षक और मनमोहक है, में स्थित ग्लेशियरों के पिघलने से इस इलाके में तबाही के बादल मंडराने लगे हैं। यह इलाका ग्लेशियरों का भंडार है। इस बात का खुलासा कश्मीर यूनीवर्सिटी के जियोइनफार्मेटिक्स डिपार्टमेंट के अध्ययन में हुआ है। इसके पीछे जलवायु परिवर्तन तो अहम कारण है ही, चीन द्वारा पैंगोंग इलाके में झील पर पुल का निर्माण भी एक अहम समस्या है जिसके चलते पारिस्थितिकी का संकट भयावह होता जा रहा है। यह इलाका ग्लेशियरों से केवल छह किलोमीटर दूर है। इसलिए इस संवेदनशील पर्वतीय इलाके में मानवीय गतिविधियों पर रोक बेहद जरूरी हो गई है। यदि इस पर अंकुश नहीं लगा तो ग्लेशियर तो सिकुड़ेंगे हैं ही,यहां की मिट्टी में नमी भी कम हो जाएगी और इससे कृषि के साथ—साथ वनस्पति भी प्रभावित होगी। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि यहां दुनिया की सबसे ऊंची खारे पानी की झील है। सबसे बड़ी और अहम बात यह है कि जम्मू—काश्मीर और लद्दाख के इस इलाके में कुल मिलाकर 12,000 के करीब ग्लेशियर हैं। ये ग्लेशियर 2000 के करीब हिमनद झीलों का निर्माण करते हैं। इनमें 200 तो ऐसे हैं जिनमें पानी बढ़ने से इनके फटने की हमेशा आशंका बनी रहती है। इस सच्चाई को झुठलाया नहीं जा सकता। यदि कभी ऐसा हुआ तो उत्तराखंड जैसी त्रासदी की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। यह भी जान लेना जरूरी है कि पैंगोंग झील का 45 किलोमीटर का इलाका भारतीय क्षेत्र में आता है।

गौरतलब है कि देश के उत्तर के पर्वतीय क्षेत्र में लद्दाख का पैंगोंग इलाका जो पर्यटन की दृष्टि से ख्याति प्राप्त, बहुत ही आकर्षक और मनमोहक है, में स्थित ग्लेशियरों के पिघलने से इस इलाके में तबाही के बादल मंडराने लगे हैं। यह इलाका ग्लेशियरों का भंडार है। इस बात का खुलासा कश्मीर यूनीवर्सिटी के जियोइनफार्मेटिक्स डिपार्टमेंट के अध्ययन में हुआ है। इसके पीछे जलवायु परिवर्तन तो अहम कारण है ही, चीन द्वारा पैंगोंग इलाके में झील पर पुल का निर्माण भी एक अहम समस्या है जिसके चलते पारिस्थितिकी का संकट भयावह होता जा रहा है। यह इलाका ग्लेशियरों से केवल छह किलोमीटर दूर है। इसलिए इस संवेदनशील पर्वतीय इलाके में मानवीय गतिविधियों पर रोक बेहद जरूरी हो गई है। यदि इस पर अंकुश नहीं लगा तो ग्लेशियर तो सिकुड़ेंगे हैं ही,यहां की मिट्टी में नमी भी कम हो जाएगी और इससे कृषि के साथ—साथ वनस्पति भी प्रभावित होगी। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि यहां दुनिया की सबसे ऊंची खारे पानी की झील है। सबसे बड़ी और अहम बात यह है कि जम्मू—काश्मीर और लद्दाख के इस इलाके में कुल मिलाकर 12,000 के करीब ग्लेशियर हैं। ये ग्लेशियर 2000 के करीब हिमनद झीलों का निर्माण करते हैं। इनमें 200 तो ऐसे हैं जिनमें पानी बढ़ने से इनके फटने की हमेशा आशंका बनी रहती है। इस सच्चाई को झुठलाया नहीं जा सकता। यदि कभी ऐसा हुआ तो उत्तराखंड जैसी त्रासदी की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। यह भी जान लेना जरूरी है कि पैंगोंग झील का 45 किलोमीटर का इलाका भारतीय क्षेत्र में आता है। पैंगोंग के इसी इलाके में बरसों से चीन द्वारा लगातार निर्माण कार्य किया जा रहा है। पैंगोंग झील के पार पुल का निर्माण उसी का ही हिस्सा है। विशेषज्ञों की चिंता का सबब यही है कि ग्लेशियरों को पिघलने से रोकने की खातिर इस संवेदनशील इलाके में ईंधन से चलने वाले वाहनों पर तत्काल रोक लगाई जाए। भारत के साथ लगातार दो सालों से चलते गतिरोध के कारण चीन द्वारा यहां पर बेतहाशा निर्माण किया जा रहा है। पैंगोंग झील के पास चीन द्वारा जो निर्माण किए जा रहे हैं, उनकी दूरी ग्लेशियरों से केवल छह किलोमीटर ही है। ऐसे संवेदनशील इलाके में भारी पैमाने पर निर्माण कार्य किए जाने से ग्लेशियरों के पिघलने का खतरा बढ़ गया है। इससे लद्दाख के इस इलाके में गंभीर परिणामों से इंकार नहीं किया जा सकता। ट्रांस हिमालयन लद्दाख के पैंगोंग इलाके में भारतीय सीमा में आने वाले इन 87 ग्लेशियरों में 1990 के बाद आई कमी के शोध—अध्ययन जो जर्नल फ्रंटियर इन अर्थ साइंस में प्रकाशित हुआ है।

देश के लिए चुनौती बन रहीं स्लम बस्तियां

सुरेश उनियाल

इन दिनों स्लम बस्तियां दुनिया ही नहीं, बल्कि भारत के लिए भी एक समस्या बनी हुई हैं। एक अनुमान के अनुसार दुनिया की लगभग एक चौथाई शहरी आबादी स्लम बस्तियों में रहती है। वहीं आने वाले 10 वर्षों में भारत की 50 प्रतिशत आबादी नगरों में रहने लगेगी। भारत की वर्तमान आबादी का 28 प्रतिशत हिस्सा शहरों में रहता है। शहरी आबादी में होने वाली इस बेतहाशा वृद्धि का सीधा प्रभाव उनके आवास पर पड़ेगा, जिससे आने वाले वर्षों में मलिन बस्तियों में रहने वाली आबादी में तीव्र वृद्धि होगी। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत के 2,613 शहरों में स्लम एरिया हैं, जहां बहुत सी आबादी इन बस्तियों में रहती है। इनमें से 57 फीसदी आबादी तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र से आती है। वहीं दिल्ली दुनिया का छठा सबसे बड़ा महानगर है। इसके बावजूद यहां एक तिहाई आवास स्लम क्षेत्र का हिस्सा हैं, जिनके पास कोई बुनियादी संसाधन भी उपलब्ध नहीं हैं। हाल ही में जारी एक रिपोर्ट की मानें तो देश में जहां हर छठा शहरी नागरिक स्लम बस्तियों में रहने के लिए मजबूर है। ये बस्तियां इंसानों के रहने के लायक नहीं मानी जाती। यहां रहने वाला हर भारतीय शहरी नारकीय जीवन जीने के लिए मजबूर है। आंकड़े बताते हैं कि जहां आंध्र प्रदेश में हर तीसरा शहरी परिवार इन मलिन बस्तियों में रहता है, वहीं ओडिशा में हर 10 घरों में से नौ में जल निकासी की कोई सुविधा नहीं है। देश के 65 प्रतिशत शहरों में स्लम बस्तियां देखी जा सकती हैं। शहरों की चकाचौंध भरी दुनिया का हिस्सा होने के बावजूद इन बस्तियों में रहने वाले लोग आज भी अंधेरे में हैं।

आंकड़ों की मानें तो देश में हर 10 में से छह लोग झुग्गी—झोपड़ी में रहने के लिए मजबूर हैं। इन बस्तियों में लोग गंदी और बदबूदार नालियों के बीच रह रहे हैं। वहीं हर 10 में से चार को आजादी के 72 साल बाद भी साफ पानी जैसी बुनियादी सुविधा नहीं मिल पाई है। इन गंदी बस्तियों में रहने वाले इस विकसित समाज, राजनीतिक गलियारों और प्रशासन की बेरुखी का शिकार हैं। असल में स्लम क्षेत्र का आशय सार्वजनिक भूमि पर अवैध शहरी बस्तियों से है। आमतौर पर यह एक निश्चित अवधि के दौरान निरंतर एवं अनियमित तरीके से विकसित होता है। स्लम क्षेत्रों को शहरीकरण का एक अभिन्न अंग माना जाता है और शहरी क्षेत्र में समग्र सामाजिक—आर्थिक नीतियों एवं योजनाओं की अभिव्यक्ति के रूप में देखा जाता है।

देश में कई स्लम एरिया हैं, जहां लोग गरीबी में जीवन यापन कर रहे हैं। ऐसे में इन जगहों पर साक्षरता दर कम ही देखने को मिलती है। हालांकि देश के सबसे बड़े स्लम एरिया धारावी में साक्षरता दर 69 प्रतिशत है। इधर, आंध्र प्रदेश में शहरी आबादी का 36.1 प्रतिशत हिस्सा मलिन बस्तियों में रहता है। वहीं छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, जम्मू—कश्मीर और हरियाणा की शहरी आबादी का एक बड़ा हिस्सा इन मलिन बस्तियों में रहने के लिए मजबूर है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ओडिशा की मलिन बस्तियों में रहने वाले 64.1 प्रतिशत घरों में अब तक पीने का स्वच्छ पानी नहीं पहुंच पाया है, वहीं दूसरी ओर इन बस्तियों के 90.6 प्रतिशत घरों से जल निकासी का कोई प्रबंध नहीं है, जिससे आए दिन यहां रहने वाले लोगों के बीमार होने का खतरा बना हुआ है।

देश में 13.7 मिलियन स्लम घरों में कुल 65.49 मिलियन लोग निवास करते हैं। लगभग 65 प्रतिशत भारतीय शहरों के आसपास झुग्गियां और स्लम क्षेत्र मौजूद हैं,जहां लोग घनी बस्तियों में रहते हैं। नेशनल सर्विस स्कीम राउंड के सर्वेक्षण के अनुसार, वर्ष 2012 तक दिल्ली में लगभग 6,343 स्लम बस्तियां थीं, जिनमें दस लाख से अधिक घर थे, जहां दिल्ली की कुल आबादी का 52 प्रतिशत हिस्सा निवास करता था। देश की लगभग 81 प्रतिशत आबादी अनौपचारिक क्षेत्र में कार्य करती है। संपूर्ण कोविड लॉकडाउन के अचानक लागू होने से झुग्गी—झोपड़ियों में रहने वालों की आजीविका काफी बुरी तरह प्रभावित हुई थी। पूर्व लॉकडाउन के बाद दिल्ली में भारी संख्या में रिवर्स माइग्रेशन देखा गयाए जब हजारों प्रवासी कामगार अपने गृहनगर वापस चले गए। इस दौरान लगभग 70 प्रतिशत स्लम निवासी बेरोजगार हो गए, वहीं 10 प्रतिशत की मजदूरी में कटौती हुई और आठ प्रतिशत पर इसके अन्य प्रभाव देखे गए।

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायरनमेंट एंड पॉल्यूशन में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार स्लम बस्तियों से होने वाले प्रदूषण के कारण एशिया में मौसम के पैटर्न में बदलाव आ रहा है। इनके चलते एक ओर जहां हवा की रफ्तार में वृद्धि हो रही है, वहीं दूसरी ओर बारिश में कमी आ रही है। क्लाइमेट मॉडल्स पहले ही इस बात के संकेत दे चुके हैं कि स्थानीय स्तर पर हो रहा प्रदूषण चक्रवाती तूफानों के गठन और उनके विकास को प्रभावित कर सकता है। गौरतलब है कि भारत के पूर्वी तट पर कई बड़े शहर बसे हैं, जो कि नियमित रूप से हर वर्ष अक्टूबर से दिसंबर के बीच इन तूफानों से प्रभावित होते हैं। इन शहरों की झुग्गी—बस्तियों में रहने वाले लाखों लोग आज भी खाना पकाने के लिए ईंधन के रूप में लकड़ी का उपयोग करते हैं, जिससे बड़ी मात्रा में बायोमास कण उत्पन्न होते हैं, जो कि हवा में मिल जाते हैं।

असल में सरकारी योजनाओं के लाभ अभीष्ट लाभार्थियों के एक छोटे से हिस्से तक ही पहुंच पाते हैं। अधिकांश राहत कोष और लाभ झुग्गी—झोपड़ियों में रहने वालों तक नहीं पहुंचते हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि इन बस्तियों को सरकार की ओर से आधिकारिक तौर पर मान्यता नहीं दी जाती है। देश में उचित सामाजिक सुरक्षा उपायों का अभाव देखा गया है और इसका बीमारी से लड़ने की हमारी क्षमता पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा है।

कमल हासन की इंडियन 2 की रिलीज डेट का हुआ खुलासा

बॉलीवुड और साउथ की मेगास्टार कमल हासन की अपकमिंग फिल्म इंडियन 2 का बेसब्री फैंस इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के लिए कमल हासन लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म से जुड़ी एक नई अपडेट सामने आ चुकी है। बीते दिन इंडियन 2 को लेकर अलग—अलग तरह के अटके लगाए जाते थे। अब इस पिक्चर की रिलीज डेट भी सामने आ चुकी है। कमल हासन की आने वाली फिल्म इंडियन 2 का इंतजार जल्दी फैंस के लिए खत्म होने वाला है। इस फिल्म को फेमस डायरेक्टर शंकर ने डायरेक्ट किया है। वही इंडियन 2 को लेकर लगातार दावा किया जा रहा है कि यह फिल्म इस साल 13 जून को सिनेमाघर में रिलीज होगी। हालांकि इसको लेकर अभी तक कोई भी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। कमल हासन बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर फिल्में देने के लिए काफी फेमस है। ऐसे में फिल्म से भी इसी तरीके की उम्मीद लगाई जा रही है। फिल्म के अंदर कमल हासन के अलावाकाजल अग्रवाल, सिद्धार्थ, बॉबी सिम्हा, समुथिरकानी और नेदुमुदी वेणु, रकुल प्रीत सिंह, प्रिया भवानी शंकर, गुलशन ग्रोवर जैसे लीड किरदार शामिल है। खबरों के मुताबिक फिल्मों के अंदर मौजूद गाने को भी काफी अहमियत दी गई है। जिसे मशहूर सिंगर अनिरुद्ध द्वारा गाया गया है। रिपोर्ट्स की माने तो इंडियन 2 को 2 पार्ट्स में रिलीज किया जाएगा। फिलहाल डायरेक्टर शंकर राम चरण की फिल्म गेम चेंजर और इंडियन 2 की प्री प्रोडक्शन में बिजी है। डायरेक्टर के बारे में बता दे की रामचरण के साथ ये उनकी पहली फिल्म होने वाली है। जिसको लेकर चर्चा लगातार सामने आ रही है। डायरेक्टर शंकर दो बड़ी फिल्मों को एक साथ रिलीज करने वाले हैं, हालांकि यह वक्त ही बताएंगा कि उनकी कौन सी फिल्म किस तरह का कमाल करके दिखाती है।

सलमान खान ने अपनी आगामी फिल्म सिकंदर का किया ऐलान

ईद के मौके पर बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने ए.आर. मुरुगादोस द्वारा निर्देशित अपनी अगली फिल?म सिकंदर की घोषणा कर दी. फिल?म की घोषणा के साथ—साथ एक्टर ने रिलीज डेट की घोषणा भी कर दी है. यह फिल?म ईद 2025 पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

सलमान ने ट्विटर पर एक झलक शेयर की है, जिसमें सिकंदर के रूप में सलमान खान को देखा जा सकता है. फिल्म साजिद नाडियाडवाला द्वारा प्रस्तुत की गई है. सलमान ने कैप्शन दियाः इस ईद बड़े मियां छोटे मियां और मैदान को देखो और अगली ईद सिकंदर से आकर मिलो... आप सभी को ईद मुबारक. यह पहली बार नहीं है जब सलमान ए.आर. मुरुगादोस के साथ काम कर रहे हैं. दोनों ने पहले जय हो में साथ काम किया था.

मुरुगादोस कथ्थी, धीना और स्टालिन जैसी कई अन्य फिल्मों में काम कर चुके हैं. उनकी पहली बॉलीवुड फिल्म 2008 में आमिर खान अभिनीत गजनी थी,

24 साल के बैटर ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, एक ओवर में लगातार 6 सिक्स जड़कर उड़ाया गर्दा

नई दिल्ली। क्रिकेट के मैदान पर बैटर्स को जब छक्के लगाते हुए देखा जाता हैं तो स्टेडियम में बैठा हर शख्स या अपने घर में टीवी स्क्रीन पर मैच देख रहे लोगों के चेहरे पर एक अलग ही मुस्कान आ जाती हैं। क्रिकेट मैच में बिना छक्के—चौके के मैच का रोमांच नहीं बनता। जब भी बात एक ओवर में लगातार 6 सिक्स जड़ने की आती हैं तो भारत में सबसे पहले हर किसी के दिमाग में युवराज सिंह के विश्व कप के मैच की झलक बनती हैं, जिन्होंने साल 2007 में इंग्लैंड के गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड की जमकर धुनाई करते हुए ये कारनामा किया था।

लेकिन हाल ही में नेपाल क्रिकेट टीम के 24 साल के बैटर का बल्ला जमकर गरजा और उन्होंने कतर में एक ओवर में लगातार एक ओवर में छह सिक्स जड़कर इतिहास रच दिया। इस प्लेयर का नाम दीपेंद्र सिंह एरी हैं, जिन्होंने एक ओवर में 6 सिक्स जड़कर युवराज सिंह को भी एक मामले में पीछे छोड़ दिया।

दरअसल, दीपेंद्र सिंह ऐरी टी20क के इतिहास में दो बार एक ओवर में छह सिक्स जड़ने वाले पहले बैटर बन

गए हैं। दीपेंद्र सिंह एरी ने इससे पहले ळ20क क्रिकेट में युवराज सिंह का सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड ध्वस्त किया था। उन्होंने एशिया कप 2023 में मंगोलिया के खिलाफ महज 9 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा था, जबकि युवराज ने 12 गेंदों में ये कारनामा किया था। दीपेंद्र सिंह एरी ने 21 गेंदों का सामना करते हुए 64 रन की पारी खेली, जिसकी बदौलत नेपाल की टीम ने 7 विकेट खोकर 210 रन बनाए। दीपेंद्र सिंह ऐरी युवराज सिंह और कीरोन पोलार्ड के बाद टी20क क्रिकेट में एक ओवर में 6 सिक्स जड़ने वाले तीसरे बैटर बन गए हैं।

बता दें कि ऐसा पहली बार नहीं है जब दीपेंद्र ने टी20 क्रिकेट में कोई बड़ा कारनामा किया है। इससे पहले दीपेंद्र का बल्ला एशियन गेम्स में भी खूब चला था। उन्होंने मंगोलिया के खिलाफ मैच में सिर्फ 9 गेंद में फिफ्टी ठोक दी थी, जो कि टी20क की सबसे तेज फिफ्टी है। इस मामले में उन्होंने युवराज सिंह को पछाड़ा था, जिन्होंने 2007 टी20 विश्व कप में 12 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया था।

श्रेयस तलपड़े की लव यू शंकर का ट्रेलर जारी, चार भाषाओं में रिलीज होगी फिल्म

श्रेयस तलपड़े—तनीषा मुखर्जी की फिल्म ह्यलव यू शंकरह्ण 19 अप्रैल, 2024 को रिलीज़ होने के लिए तैयार है. इस फिल्म को राजीव एस. रह्या ने निर्देशित है जबकि सुनीता देसाई ने इसे प्रोड्यूसर किया है. यह फिल्म एसडी वर्ल्ड फिल्म्स प्रोडक्शन और विसिकाफिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले रिलीज हो. फिल्म रिलीज से पहले आज मेकर्स ने इस फिल्म का ट्रेलर जारी कर दर्शकों को एक्साइटेड कर दिया है.

पवित्र शहर बनारस की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म एक आठ वर्षीय लडक़े और भगवान शिव के बीच के बंधन के इर्द—गिर्द घूमती है. ट्रेलर की शुरुआत श्रेयस और छोटे लडक़े के परिचय से होती है. जैसे—जैसे वीडियो आगे बढ़ता है,तो आप देख सकते हैं कि उनकी और भगवान शंकर की दोस्ती कैसे बढ़ती गई. फिल्म का ट्रेलर काफी प्यारा लग रहा है.आने वाली फिल्म के लिए एक्टर श्रेयस तलपड़े काफी एक्साइटेड हैं. उन्होंने फिल्म को लेकर कहा, ह्यलव यू शंकरह्ण का हिस्सा बनना अद्भुत था. यह एक ऐसी कहानी है जो आपको मुस्कुराएगी और जीवन के आश्चर्यों के बारे में सोचने पर मजबूर कर देगी. इस तरह की फिल्म वास्तव में दिलों को छू सकती है. फिल्म देखने वालों की संख्या इसे और भी खास बनाती है और मैं इस खूबसूरत फिल्म के साथ अपने दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं.वहीं एक्ट्रेस तनीषा मुखर्जी का कहना है कि मुझे इस विशेष फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लगा. यह एक खूबसूरत कहानी है जो आपके दिल को छू जाती है और आपको किसी बड़ी चीज़ पर विश्वास करने पर मजबूर कर देती है.

वानखेड़े में रोहित शर्मा के निशाने पर होगा ये बड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 के 29वें मैच में मुंबई इंडियंस का आमना—सामना चेन्नई सुपर किंग्स के साथ होना है। यह मुकाबला 14 अप्रैल को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा।

मुंबई इंडियंस ने मौजूदा सीजन में 5 मैचों में से तीन मैचों में हार, जबकि 2 मैचों में जीत का स्वाद चखा है, जबकि सीएसके की टीम ने मौजूदा सीजन में पांच मैचों में से तीन मैचों में जीत, जबकि 2 मैचों में हार का सामना किया है। अब दोनों ही टीमों का मुकाबला वानखेड़े में होना है। इस मैच में मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के निशाने पर एक बड़ा रिकॉर्ड होगा। दरअसल, रोहित शर्मा का बल्ला जब भी चलता है तो उन्हें फिर रन बनाने से रोकने के लिए गेंदबाज भी परेशान हो जाते हैं। रोहित को बड़े—बड़े शॉट्स मैदान पर हिट करने की वजह से उन्हें हिटमैन के नाम से जाना जाता हैं। रोहित शर्मा ने अभी तक टी20 क्रिकेट में कुल

497 सिक्स लगाए हैं। अगर वह सीएसके के खिलाफ खेले जाने वाले मैच में तीन सिक्स लगा देते हैं, तो वह एक बड़ा रिकॉर्ड बना लेंगे। रोहित शर्मा टी20 क्रिकेट में 500 सिक्स जड़ने वाले पहले बैटर बन जाएंगे। इसके अलावा वह ये कारनामा करने वाले दुनिया के पांचवें बैटर बनेंगे। टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा सिक्स क्रिस गेल (1056 सिक्स) जड़े हैं।

रोहित शर्मा का आईपीएल 2024 में अभी तक का ऐसा रहा प्रदर्शन

आईपीएल 2024 में रोहित शर्मा के बल्ले से अभी तक पांच मैचों में कुल 156 रन निकले हैं। इस दौरान रोहित का स्ट्राइक रेट 167 का रह हैं। वहीं, मुंबई इंडियंस की आईपीएल 2024 में शुरुआत खराब रही, जहां टीम ने लगातार तीन मैचों में हार का सामना किया। इसके बाद पिछले दो मैचों में जीत हासिल कर शानदार वापसी की हैं। अब सीएसके के खिलाफ मुंबई इंडियंस की नजरें जीत की हैट्रिक पर होगी।

कमेटी के नाम पर करोड़ों की धनराशि लेकर फरार होने का आरोप, थाने पहुंचे पीड़ित

परिवारों ने कौड़िया निवासी एक व्यापारी पर लगाया धोखाधड़ी का आरोप

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : क्षेत्र के सैकड़ों परिवारों ने कौड़िया निवासी एक व्यापारी पर कमेटी के नाम पर उनकी जमापूंजी हड़पने का आरोप लगाया है। कहा कि व्यक्ति ने कमेटी के नाम पर उनके पैसें जमा किए थे। लेकिन, तीन दिन से व्यक्ति अपने घर व दुकान पर ताला लगाकर गायब हो गया है। परिवारों ने कोतवाली में पहुंचकर पुलिस से पूरे मामले की जांच कर उनकी धनराशि वापस दिलवाने की मांग की है।

शनिवार शाम बड़ी संख्या में कौड़िया व अन्य क्षेत्रों में लोग तहसील परिसर में पहुंचे। यहां उन्होंने प्रशासन को अपनी समस्या से अवगत करवाने के बाद कोतवाली में पुलिस को तहरीर दी। बताया कि कौड़िया में एक व्यक्ति पिछले लंबे समय से कमेटी का कार्य कर रहा था। व्यक्ति का कौड़िया में मकान व दुकान भी है। व्यक्ति क्षेत्र में कपड़े की दुकान चलाता था। बताया कि कमेटी के लिए सैकड़ों परिवारों ने व्यक्ति के पास अपनी रकम जमा करवाई थी। सभी परिवारों का कुल डेढ़ करोड़ से अधिक पैसा व्यक्ति के पास जमा था। आरोप है कि 11 अप्रैल को उक्त व्यक्ति अपने घर व दुकान में ताला लगाकर कहीं चला गया है। यहीं नहीं व्यक्ति ने अपना मोबाइल नंबर भी बंद कर दिया है। क्षेत्र में यह भी चर्चा चल रही है कि व्यक्ति अपना मकान व दुकान बेचकर लोगों के पैसे लेकर फरार हो गया है। पीड़ितों ने कोतवाली में पहुंचकर पुलिस से व्यक्ति की तलाश कर उनकी रकम वापस दिलवाने की मांग की है। कहा कि परिवारों ने मेहनत-मजदूरी कर कमेटी के नाम पर व्यक्ति को धनराशि दी थी। ऐसे में व्यक्ति के गायब होने से उनके समक्ष कई आर्थिक परेशानी आ गई है। इस मौके पर सुनील कुमार, मनोज कुमार, माया देवी, शकुंतला देवी, गीता देवी, सुनीता देवी, इंदु देवी, बबीता देवी आदि मौजूद रहे।

अपनी शिकायत लेकर तहसील में पहुंचे पीड़ित

मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति प्रोत्साहन योजना में हुआ चयन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र स्थित राइंका जयदेवपुर सिगड्डी के छात्र उज्ज्वल रमोला का मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति प्रोत्साहन योजना 2024 में चयन हुआ है। उज्ज्वल को अब हर महीने 1200 रुपये छात्रवृत्ति मिलेगी।

साथ ही वर्ष 2023 की इंटर बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाली विद्यालय की दो छात्राओं नितिना और प्रिया खंतवाल की माताओं को भी कमला नेहरू पुरस्कार दिया जाएगा।

प्रधानाचार्य शोबेंद्र जोशी ने बताया कि बीते वर्ष 30 अक्टूबर को मुख्यमंत्री छात्र प्रोत्साहन योजना की परीक्षा आयोजित की गई थी। जिसमें विद्यालय के कक्षा 11 के छात्र उज्ज्वल रमोला ने सफलता प्राप्त की। उन्होंने छात्र-छात्राओं की इस सफलता के लिए विद्यालय के शिक्षकों की प्रशंसा की।

देव भूमि की कला व मुस्कुराहट से मेरा पुराना नाता : डा. कुमार विश्वास

भाबर में यूनिकस अकादमी के उद्धाटन समारोह में बोले कवि कुमार विश्वास

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कवि डा. कुमार विश्वास ने कहा कि देव भूमि की कला व मुस्कुराहट से उनका पुराना नाता रहा है। उन्हें जब भी मौका मिलता है वह इस देव भूमि को नमन करने अवश्य पहुंचते हैं। कहा कि केदारनाथ आपदा के दौरान भी वह पीड़ितों की मदद के लिए मैदान में डटे हुए थे। इस दौरान उन्होंने अपनी कविताओं के माध्यम से समा बांध दिया।

भाबर क्षेत्र में यूनिकस अकादमी के उद्धाटन समारोह में पहुंचे कवि कुमार विश्वास ने कहा कि अभिज्ञान शाकुंतलम से पता चलता है कि एक ऋषि, कवि व राजा का संबंध क्या होता है। इसी कोटद्वार की धरती पर शिकार के पीछे दौड़ता हुआ सबसे बड़ा राजा दुष्यंत अपने कवि मित्र मांडव के साथ आया था। कालिदास लिखते हैं कि जब राजा ने हिरण के पीछे बाण छोड़ा तो वह हिरण कण्व के आश्रम में घुस गया। जब राजा आश्रम में घुसने लगा तो मांडव ने उन्हें सचेत किया। महाराज अब गुरुकुल आ गया यहां अपना राजत्व मत दिखाईयें। यह ऋषि का आश्रम है यहां विनम्रता के साथ प्रवेश करें। कहा कि आज संतों के आश्रम में मंत्री आ जाएं तो वह प्रसन्न हो जाते हैं। उसके आगे पीछे दौड़ने लगते हैं। इंटरनेट मीडिया पर कई दिन तक संत व मंत्री की तस्वीरें तैरती रहती हैं। जबकि, होना यह चाहिए था कि ऋषि के आश्रम में जाते हुए प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को गर्व हो कि हम ऋषि से मिलने जा रहे हैं। कहा कि उत्तराखंड की कला व मुस्कुराहट उन के मन में बसती है। यहां से उनका बहुत पुराना नाता रहा है। उन्होंने अपनी कविता 'तेरी खामोशियों से जिंदगी में शोर हो जाना..', 'तेरी ताकत है मेरे इश्क को कमजोर कर जाना..', 'किसी के दिल की मायूसी जहां से होकर गुजरी है..', 'तुम्हारी और हमारी रात में बस फरक इतना है..' 'मै अपनी गीत गजलों से उसे पैगाम करता हूं..' से दर्शकों के मन को मोह लिया। अंत में उन्होंने कोई 'दिवाना कहता है कोई पागल समझता है..', कविता से माहौल बांध दिया। कवि रोहित शर्मा की हास्य कविताओं ने दर्शकों को खूब गुदगुदाया। कवि रमेश, साक्षी तिवारी की कविताओं को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया। इस मौके पर हंस फाउंडेशन के संस्थापक भोले जी महाराज, माता मंगला, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण, पूर्व विधायक शैलेंद्र सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम में कविता की प्रस्तुति देते डा.कुमार विश्वास

बचन सिंह गुसाईं के निधन पर जताया शोक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : आर्य गिरधारीलाल महर्षि दयानंद ट्रस्ट ने ट्रंस्ट के संस्थापक कोषाध्यक्ष बचन सिंह गुसाईं के निधन पर शोक व्यक्ति किया है। कहा कि समाज सेवा के लिए दिन गए बचन सिंह गुसाईं के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

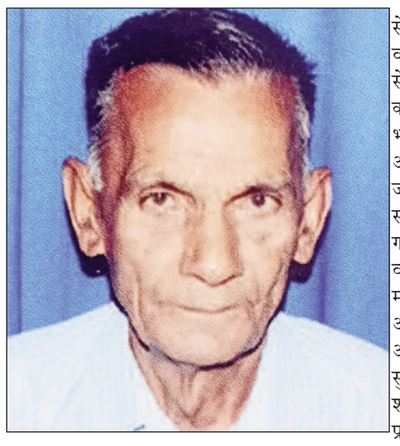

सदस्यों ने झंडीचौड़ पश्चिमी निवासी 85 वर्षीय बचन सिंह गुसाईं के निधन पर शोक व्यक्ति किया। सदस्यों ने दो मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मा शांति के लिए प्रार्थना की। कहा कि 12 अप्रैल को ब्रेन हैमरेज के कारण बेस अस्पताल में बचन सिंह गुसाईं का निधन हो गया था। उनका अंतिम संस्कार मालिनी नदी के तट पर वैदिक रिति से किया गया। उनके पुत्र जय सिंह, विजय सिंह, गजे सिंह, नैन सिंह व संत सिंह ने उन्हें मुखाग्नि दी। सदस्यों ने कहा कि गुसाईं 1997 में मध्यप्रदेश पुलिस से सेवानिवृत्ति के बाद ट्रस्ट, श्री विश्वकर्मा सेवा समिति के संरक्षक व वर्ड विज़न आदि संस्थाओं से जुड़े रहे। जनसरोकारों को समर्पित रहे जिसके लिए भारतीय दलित साहित्य अकादमी द्वारा उन्हें कर्मबीर जयानन्द भारतीय स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया था। शोक व्यक्त करने वालों में आर्य गिरधारीलाल महर्षि दयानंद ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्रलाल आर्य, बचन सिंह गुसाईं, सुखपाल शाह, पूरण चंद्र शर्मा, पुष्पा शाह, बुद्धि प्रकाश, कृष्ण चन्द्र खंतवाल, टीका राम, हरि सिंह रावत, चतर सिंह गुसाईं, केशर सिंह, बीर सिंह, ओमप्रकाश, जगत राम आदि मौजूद रहे।

श्याम सुंदर अग्रवाल बने अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारत विकास परिषद की वर्ष 2024-25 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यकारिणी में श्याम सुंदर अग्रवाल अध्यक्ष, प्रदीप अग्रवाल सचिव और चन्द्रमोहन सिंह रावत कोषाध्यक्ष चुने गए। परिषद प्रवक्ता गोपाल बंसल ने बताया कि इस संबंध में देवी रोड स्थित एक होटल के सभागार में आयोजित बैठक में अध्यक्ष के अलावा राकेश मित्तल उपाध्यक्ष, प्रदीप अग्रवाल सचिव, दीपक कपटियाल उप सचिव, निधि गुप्ता महिला संयोजक और राधेश्याम शर्मा संरक्षक चुने गए। सेवकराम मानूजा, राजदीप माहेश्वरी, संजय अग्रवाल, गोपाल कुकरेती, धनेश अग्रवाल, सन्दीप अग्रवाल, विजय जैन, विवेक अग्रवाल कार्यकारिणी सदस्य चुने गए।

पत्र लेखन प्रतियोगिता में सिया व पूजा रही अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : डाक विभाग की ओर से प्रदेश स्तर पर आयोजित ढाई आखर पत्र लेखन प्रतियोगिता के परिणाम जारी कर दिए गए हैं। प्रतियोगिता पोस्टकार्ड, अंतर्देशीय पत्र एवं लिफाफा पत्र के माध्यम से कराई गई। हिंदी में डिजिटल भारत, नए भारत के लिए व अंग्रेजी में डिजिटल इंडिया फार न्यू इंडिया विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में पूरे प्रदेश से छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रविष्टियां भेजी।

प्रतियोगिता में मेहरबान सिंह कंडारी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में अध्ययनरत कक्षा 11वीं की छात्रा सिया बहुखंडी ने राज्य स्तर पर पहला और रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज जानकीनगर की कक्षा 12वीं की छात्रा पूजा सुन्द्रियाल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। डाक विभाग की ओर से सहायक डाकपाल मनोज गुसाईं और डाक सहायक संजय थपलियाल ने छात्राओं के विद्यालय जाकर सिया बहुखंडी को 25 हजार रुपये का चेक, प्रशस्ति पत्र और पूजा सुन्द्रियाल को पांच हजार रुपये का चेक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। छात्राओं की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार की ओर से दोनों छात्राओं को शुभकामनाएं दी गई।

प्रतियोगिता की अव्वल छात्रा को विजयी राशि देते अधिकारी

एक नजर

मतदान में आवश्यक भागीदारी करें : जिला निर्वाचन अधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने विभिन्न पोलिंग बूथों का निरीक्षण किया और मतदाताओं से मतदान करने की अपील भी की। संबंधित बीएलओ को मतदाता स्लीप का वितरण जल्द पूरा करने को भी कहा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कृषि भूमि संरक्षण केन्द्र पौड़ी, मोटेंसरी स्कूल नगर पालिका और प्राथमिक विद्यालय शहर के मतदेय स्थलों का निरीक्षण करते हुए केन्द्र पर शौचालय, पेयजल, रैम्प, विद्युत, सुगम प्रवेश व निकासी इत्यादि का अवलोकन किया तथा संबंधित बीएलओ से मतदाता स्लीप वितरण की जानकारी लेते हुए तत्काल मतदाता स्लीप के शत-प्रतिशत वितरण के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने मतदान के आस-पास निवासरत मतदाताओं से मतदाता स्लीप वितरण का फीडबैक लिया तथा मतदान में आवश्यक भागीदारी करने को कहा।

सारश्वत ध्यानी सेना में बने अधिकारी

चमोली : एसजीआरआर कर्णप्रयाग (जयकंडी) के पूर्व छात्र सारश्वत ध्यानी का चयन भारतीय वायु सेना में सेकेंड लेफ्टिनेंट के पद पर हुआ है। एअर फोर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट से उन्होंने यह सफलता अपने चौथे प्रयास में प्राप्त की। प्रधानाचार्य बुद्धिबल्लभ डोभाल ने बताया कि सारश्वत ने एसजीआरआर कर्णप्रयाग से 10वीं की परीक्षा 2017 में 7.8 सीजीपीए, 12वीं की परीक्षा 2019 में 71 प्रतिशत अंकों के साथ व 2022 में एसजीआरआर विवि देहरादून से बीएससी की परीक्षा उत्तीर्ण की। लंगासू क्षेत्र के ग्वाड गांव निवासी सारश्वत ध्यानी के पिता वीरेंद्र ध्यानी खाद्य निरीक्षक व माता मंजू देवी ग्रहणी हैं। उनकी इस सफलता पर एसजीआरआर के शिक्षकों, कर्मचारियों व छात्र-छात्राओं ने शुभकामनायें खुशी जताई है। (एजेंसी)

बिखोती मेले में उमड़ी भीड़

चमोली : गैरसैंण नगर के धुनारघाट नामक स्थान पर बिखोती का मेला जुटा। मेले में बड़ी संख्या में भोले के भक्तों ने भाग लिया।

इससे पूर्व धारगैड़ गांव के पारंपरिक मंदिर से भगवान शंकर की डोली विधि विधान से निकाली गयी तथा शंकरडोली की डोली ने गैरसैंण नगर पहुंचने के बाद पवित्र रामगंगा में स्नान किया, उसके बाद डोली ने धुनारघाट नामक स्थान पर पारंपरिक दर्शन पूजा उपरांत पुनः धारगैड़ मंदिर में पहुंचने के बाद संपन्न हो गया।

स्वतंत्रता सेनानी अमर सिंह भंडारी के पैतृक गांव सौड़ को सड़क का इंतजार

ग्रामीणों और बच्चों को जंगल के रास्ते जाना पड़ता है मुख्य सड़क तक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : द्वारीखाल ब्लॉक के अंतर्गत स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर सिंह भंडारी का पैतृक गांव सौड़ आज भी सड़क सुविधा से नहीं जुड़ पाया है। स्थिति यह है कि ग्रामीणों को एक से डेढ़ किमी. जंगल के रास्ते से पैदल आवाजाही कर मुख्य सड़क तक पहुंचना पड़ रहा है। गांव के लिए दो किमी सड़क को चार साल पहले स्वीकृति मिल चुकी है लेकिन अभी वित्तीय स्वीकृति नहीं मिल पाई है।ग्राम सौड़ निवासी गौरव सुयाल, संग्राम सिंह भंडारी, सच्चिदानंद सुयाल, भारत भंडारी, सुलोचना देवी, मदन सुयाल, आशीष सुयाल, जगतराम, जसोदा देवी, अनुज सुयाल, नीरज सुयाल आदि ने बताया कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर सिंह भंडारी ने सेना में रहकर देश सेवा की और देश को आजादी दिलाने में अहम योगदान दिया। वर्तमान में गांव में करीब 30 से 35 परिवार रहते हैं। ग्रामीणों की मांग पर शासन ने मार्च 2020 में गांव तक दो किमी बिरमोली–सुराड़ी सड़क निर्माण की स्वीकृति प्रदान की। कार्यदायी संस्था लोनिवि दुगड्डा ने गांव तक सड़क निर्माण के लिए एलाइनमेंट भी कर लिया था लेकिन वित्तीय स्वीकृति न मिलने से अभी तक सड़क का निर्माण नहीं हो पाया है। सड़क ना बनने से सबसे ज्यादा दिक्कत बुजुर्गों, गर्भवती, बीमार लोगों और स्कूली बच्चों को हो रही है। गांव से बच्चे पढ़ने के लिए करीब डेढ़ किमी. दूर जीआईसी चाक्यूसैण जाते हैं। जंगल होने के कारण वन्य जीवों के हमले का खतरा बना रहता है।

गोदियाल के लिए मांगे वोट

श्रीनगर गढ़वाल : इंडिया गठबंधन के गढ़वाल लोकसभा प्रत्याशी गणेश गोदियाल के समर्थन में आप नेता गणेश भट्ट ने कीर्तिनगर ब्लॉक के रिंगोली, घंडियाल, क्वीली, आच्छरीखुंट, तेगड़, धुरेट, जखंड, मैखण्डी, मालू पानी, कांडीखाल, दुगड्डा, डांगचौरा, मुंडोली में जनसंपर्क कर ग्रामीणों से वोट मांगे।

विषम सेमेस्टर की छूटी परीक्षाओं को पुनः कराने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : इंडियन स्टूडेंट वॉइस संगठन ने विषम सेमेस्टर की छूटी परीक्षाओं को करवाने की मांग की है। शनिवार को गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल को ज्ञापन प्रेषित करते हुए इंडियन स्टूडेंट वॉइस के अध्यक्ष सौरभ चंद्र सानू ने कहा कि गढ़वाल विवि में अधिकांश छात्र–छात्राएं जानकारी के अभाव में अपनी विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं नहीं दे पाये हैं। जिसका प्रमुख कारण लगातार परीक्षा तिथि में परिवर्तन करना था। उन्होंने कहा कि विवि में एनईपी एवं सीबीसीएस के तहत पाठ्यक्रम चल रहे हैं और पाठ्यक्रम के आधार पर परीक्षाएं आयोजित की जा रही है। कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत हुई युवा संगम यात्रा में जाने से अधिकांश छात्र परीक्षा में शामिल नहीं हो पाये हैं। उन्होंने गढ़वाल विवि की कुलपति से परीक्षा में शामिल नहीं होने वाले छात्र–छात्राओं की पुनः परीक्षा आयोजित करने की मांग की है। (एजेंसी)

साइबर ठगी पीड़ितों के चेहरे पर मुस्कान लाई पुलिस

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पौड़ी पुलिस ने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में हुई ठगी के मामलों का खुलासा किया है। पुलिस ने पीड़ित लोगों की करीब एक लाख से अधिक की धनराशि वापस कराई है। एसएसपी पौड़ी ने कहा कि साइबर अपराध से बचने के लिए जागरूक होना बेहद जरूरी है। साइबर क्राइम के अधिकांश केस में अपराधी हमसे सूचना लेकर हमें मुसीबत में डाल देते हैं। अगर हम साइबर अपराधों को लेकर सतर्क रहेंगे तो इससे हम बच सकते हैं। एसएसपी लोकेश्वर सिंह ने बताया कि 4 लोगों से साइबर ठगी की 1 लाख 12 हजार 886 रुपए की रकम को वापस लौटाई गई है। उन्होंने बताया कि साइबर ठग नए-नए तरीकों से लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। जिसमें फोन कॉल पर आवाज बदलकर-बदलकर, पोर्टल के माध्यम से अच्छा फायदा दिलाने और ऑनलाइन सामान खरीदने से लेकर बिजनेस आदि का इस्तेमाल किया जा रहा है। बताया कि कोटद्वार निवासी ममता ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने कॉल कर एलआईसी का पैसा देने का झांसा दिया और 32 हजार 886 की ऑनलाइन ठगी कर दी। साइबर सेल ने यह धनराशि वापस लौटाने का काम किया है। इसी तरह श्रीनगर निवासी श्वेता से पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर 35 हजार 545 की ठगी की गई थी। जबकि संतोष निवासी कोटद्वार से 50 हजार की ठगी कर ली गई थी। कोटद्वार निवासी मनोज रावत से ठगों ने ऑन लाइन 10 हजार की ठगी की। एसएसपी ने बताया कि उक्त मामलों में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर लोगों से ऑन लाइन ठगी गई रकम को लौटाने का काम किया है।

अनिल बूलनी ने जनसंपर्क कर मांगे वोट

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अनिल बलूनी ने शनिवार को बिलकेदार और देहलचौरी में जनसंपर्क कर अपने पक्ष में वोट मांगे। इस दौरान बलूनी ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज देश विकास के पथ पर अग्रसर है। कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की ओर से चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ जनता को मिल रहा है। इस दौरान कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने विकास के नाम पर वोट देने की अपील की। कहा कि भाजपा सरकार में ही देश का विकास संभव है। उन्होंने क्षेत्र की जनता से 19 अप्रैल को अनिल बलूनी के पक्ष में वोट करने की अपील की। इस मौके पर पौडी के पूर्व विधायक मुकेश कोहली, ब्लॉक प्रमुख पूर्णिमा नेगी, जितेंद्र सिंह रावत, विपेन्द्र सिंह बिष्ट, सुरेंद्र भंडारी, प्रीति बडोनी, शशि भट्ट, पूनम भट्ट, संदीप रावत, विनोद बडोनी, पूजा भट्ट, लखपत भंडारी आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. जोगदण्डे ने परखी चुनाव की तैयारियां

एसीईओ ने ईवीएम स्ट्रॉग रूम, डिपार्चर स्थल कण्डोलिया मैदान और मतदेय स्थलों का किया निरीक्षण

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तराखण्ड डॉ. विजय कुमार जोगदण्डे अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तराखण्ड डॉ. विजय कुमार जोगदण्डे ने जिला निर्वाचन टीम द्वारा जनपद स्तर पर लोकसभा चुनाव प्रबंधन से संबंधित की गयी तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने चुनाव को व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से संपादन के निर्देश अधिकारियों को दिये।

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तराखण्ड ने सर्वप्रभम जीआईसी में ईवीएम स्ट्रॉग रुम का स्थलीय निरीक्षण करते हुए संबंधित नोडल अधिकारियों से अरेंजमेंट की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने केन्द्र पर व्यवस्थित तरीके से कार्यों को संपादन करने के लिए मूलभूत बातों को संज्ञान में लाते हुए कहा कि केन्द्र पर कार्मिकों के ठहरने, रिसिविंग सेंटर, ईवीएम जमा करने से लेकर प्रोटोकॉल के अनुरुप त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाय।

कार्मिकों के लिए खान-पान, वॉशरुम, बैरियर पर व्यवस्थित आवागमन हेतु ठीक से प्लान बनाकर उसको लागू किया जाय।

इसके पश्चात उन्होंने राजकीय मॉडल जूनियर हाई स्कूल और श्रीनगर रोड पर कृषि एवं भूमि संरक्षण केन्द्र पौड़ी मतदेय स्थल का स्थलीय निरीक्षण करते हुए संबंधित बीएलओ से मतदाता पर्ची वितरण और मतदाताओं से संबंधित विवरण की जानकारी लेते हुए सभी को मतदान स्लीप उपलब्ध कराने को कहा। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इस दौरान कण्डोलिया मैदान का स्थलीय निरीक्षण करते हुए वहां पर मतदान डिपार्चर पार्टियों से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि मतदान पार्टियों को मतदान की सामग्री सुलभता से प्राप्त हो सके और सामग्री का ठीक से मिलान करने के लिए उसको प्रर्याप्त स्पेस मिले इसका ध्यान रखा जाय साथ ही स्थल पर पार्किंग, वॉशरुम, पेयजल और खान-पान का भी बेहतर प्रबंधन हो। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी अपूर्वा पाण्डेय, संयुक्त मजिस्ट्रेट अनामिका, उप जिला निर्वाचन अधिकारी ईला गिरी सहित संबंधित नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

अधिकारी चुनाव को लेकर गंभीरता से कार्य करें

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तराखण्ड डॉ. विजय कुमार जोगदण्डे ने कलेक्ट्रेट सभागार में लोकसभा चुनाव के नोडल अधिकारियों की बैठक लेते हुए उनसे उनकी तैयारियों के संबंध में जानकारी लेते हुए निर्देश दिये कि सभी नोडल अधिकारी गाइडलाइन के अनुरुप चुनाव की समय से तैयारी पूर्ण कर लें तथा चुनाव को व्यवस्थित, पारदर्शी और प्रभावी तरीके से संपादित करवाने के लिए गंभीरता से कार्य करें। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुरुप जनपद में चुनाव संपादन की तैयारियां की गयी है तथा प्रोटोकॉल के अनुरुप चुनाव से संबंधित कार्य संपादित किये जा रहे हैं।

पुलिस और पैरामिलिट्री ने किया फ्लैग मार्च, अराजक तत्वों को दिया संदेश

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : लोकसभा चुनाव को निष्पक्ष, भयमुक्त और शांतिपूर्ण कराने को लेकर शनिवार को पुलिस ने पैरामिलिट्री फोर्स के साथ पौड़ी में फ्लैग मार्च किया। इस दौरान आमजन को सुरक्षा का अहसास करवाते हुए अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित किया गया। संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस फ्लैग मार्च कर अराजक तत्वों को आचार संहिता का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई किए जाने का संदेश दे रही है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने बताया है कि मतदाता बिना किसी डर, भय, लालच और किसी प्रलोभन के निष्पक्ष वोट दे। पैरामिलिट्री के साथ पुलिस सभी संवेदनशील स्थानों पर फ्लैग मार्च कर रही है। फ्लैग मार्च के दौरान आम जनता से भी अपने मताधिकार का प्रयोग करने, किसी भी राजनैतिक पार्टी व्यक्ति विशेष द्वारा किसी भी प्रकार के दबाव में न आने, किसी प्रकार का उपहार न लेने की अपील की जा रही है। पुलिस व पैरामिलिट्री फोर्स के जवानों के फ्लैग मार्च का उद्देश्य लोकतंत्र को मजबूत करना व चुनाव के इस महापर्व में आम जनमानस को बेझिझक मतदान के लिए प्रेरित करना है।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/समन्वय द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या	11-DRM-MB-24-25 Dt. 10.04.2024
कार्य का नाम	Manufacturing, supplying & Loading, leading, unloading & stacking of 50000 cum machine crushed stone ballast of 65 mm gauge size as per Railway specification including loading of ballast in to Rly. Wagons / hoppers at Pathri Sub depot B-1, B-2 under Sr.DEN/C/MB. Chargeable to Estimate No. 107/2022 (RRSK).
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	09.05.2024
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00
अनुमानित लागत	5,78,56,500.00
धरोहर राशि	4,39,300.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	8 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	25.04.2024

टेन्डर न. Sr. DEN-C/Publication/23-24 दिनांक - 10.04.2024 1113/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र बंटी चन्द्रा एवं बहू आरती पत्नी बंटी चन्द्रा मेरे व मेरे परिवार के कहने सुनने में नहीं है तथा आये दिन परेशान करते रहते है व गाली-गलौच तथा अभद्र भाषा का प्रयोग करते है। मेरा पुत्र बंटी चन्द्रा गलत कृत्यों में लिप्त रहता है तथा वह नशे का सेवन करता है, जिस कारण मेरे व परिवार की छवि धूमिल हो रही है। मैं अपने पुत्र बंटी चन्द्रा तथा बहू आरती पत्नी बंटी चन्द्रा को उनके गलत कृत्यों के कारण अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। मेरे उपरोक्त पुत्र बंटी चन्द्रा तथा बहू आरती द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के कृत्य व लेन-देन के लिए वह स्वयं जिम्मेदार रहेगें। उनके द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के कृत्य व लेन-देन के लिए मैं एवं मेरा परिवार जिम्मेदार नहीं रहेगा।

सोनू चन्द्रा पुत्र स्व. जय प्रकाश चन्द्रा निवासी झूलापुल, नई बस्ती, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

एक नजर

श्रद्धालुओं ने लिया मां का आशीर्वाद

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : चैत्रीय नवरात्र के पांचवें दिन भुवनेश्वरी सिद्धपीठ कोट में स्कन्द माता की पूजा-अर्चना की गई। नवरात्र को लेकर स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी हो रही है। मंदिर परिसर में प्रबंधन समिति के अध्यक्ष दिगम्बर जुयाल आदि ने दीप जलाकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत की। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर क्यूंकालेश्वर पौड़ी और ब्रिगेडियर विद्याधर जुयाल संस्कृत विद्यालय के छात्रों ने शानदार प्रस्तुतियां दी। मध्याहन धूंयेल में श्रद्धालुओं ने मां का आशीर्वाद लिया। इसके बाद राम कथा श्रवण संकीर्तन में भी हिस्सा लिया। भजन प्रतियोगिता में झांजड आदि टीमों ने प्रतिभाग किया। संचालन आचार्य नवीन ममगाईं ने किया।

प्रदीप बगवाड़ी का भाजपाईयों ने किया स्वागत

रुद्रप्रयाग : वरिष्ठ कांग्रेसी प्रदीप बगवाड़ी के भाजपा में आने से भाजपा पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया है। पार्टी कार्यालय में उनका फूल मालाओं से स्वागत किया गया। साथ ही कहा कि उनके लम्बे राजनीतिक अनुभवों का लाभ भाजपा को जरूर मिलेगा। बीते दिन गौचर के मैदान में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव प्रदीप बगवाड़ी को माला पहनाकर भारतीय जनता पार्टी में सम्मिलित किया था। शनिवार को विधायक रुद्रप्रयाग भरत सिंह चौधरी, गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र संयोजक विजय कप्रवान, व्यापार सभा के जिला महामंत्री चंद्रमोहन सेमवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सिंह बिष्ट, नगर पालिका सभासद सुरेंद्र रावत, भाजपा के मंडल संयोजक सुशील नौटियाल ने बगवाड़ी का स्वागत किया। सभी ने एक स्वर में बगवाड़ी के भाजपा में सम्मिलित होने पर खुशी जाहिर की और कहा कि इससे भाजपा को इस क्षेत्र में और भी ताकत मिलेगी। (एजेंसी)

पुष्परथ ने की ओंकारेश्वर मंदिर की परिक्रमा

रुद्रप्रयाग : ऊखीमठ में परम्परा के अनुसार भगवान मद्महेश्वर की भागमूर्ति को पुष्परथ में विराजमान किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोगों ने पुष्परथ के दर्शन किए। वर्षों से चली आ रही परम्परा के अनुसार दोपहर सवा दो बजे ओंकारेश्वर मंदिर में भगवान मद्महेश्वर की भोगमूर्ति को पुष्परथ में विराजमान किया गया। जिसके बाद मन्दिर की पांच परिक्रमा की गई। वहीं स्थानीय लोगों ने जौ, फूल, अक्षत से भगवान का स्वागत कर सुख-समृद्धि की कामना की। इस मौके पर बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय, ईओ रमेशचंद्र तिवारी, युद्धवीर पुष्पवान, पुजारी शिवशंकर लिंग, वागेशलिंग, गंगाधर लिंग, शिवलिंग लिंग, अर्जुन रावत, पूर्व क्षेपंस शिवानन्द पंवार, प्रधान वीर सिंह पंवार, मदन पंवार, सन्तोष शैव आदि मौजूद थे।

पीसीसी सदस्य डिमरी ने थामा भाजपा का दामन

चमोली : कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए नेताओं भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य भुवन नौटियाल ने स्वागत किया है। कहा राष्ट्र के गौरव और विकास के लिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को आगे बढ़ाने में जागरूक लोग भाजपा की सदस्या ले रहे हैं। गौचर में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की जनसभा के मौक पर कांग्रेस के पूर्व पीसीसी सदस्य विजय प्रसाद डिमरी, रुद्रप्रयाग के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रदीप बगवाड़ी, अगस्त्यमुनी महाविद्यालय के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अरुण भंडारी आदि ने भाजपा की सदस्यता ली। (एजेंसी)

अनियंत्रित होकर पलटी बस, 3 गंभीर

नई टिहरी : ऋषिकेश-गंगोत्री हाईवे पर ऋषिकेश से लंबगांव जा रही एक सवारी बस भद्रकाली के पास हाईवे पर ही अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसमें सवार चालक सहित कुल 21 लोग घायल हो गए। जिनमें तीन लोगों की हालात गंभीर बनी हुई है। बस में कुल 32 लोग सवार थे। मुनिकीरेती, नरेंद्रनगर थाना पुलिस, एसडीआरएफ तहसील प्रशासन ने रेस्क्यू चलाकर घायलों को 108 सेवा से एम्स ऋषिकेश भर्ती कराया है। (एजेंसी)

खाई में गिरी महिला, गंभीर

नई टिहरी : देवप्रयाग-पौड़ी मार्ग पर दिल्ली निवासी एक महिला को सड़क किनारे लगे पेड़ से फूल तोड़ना महंगा पड़ गया। महिला यहां पैर फिसलने से गहरी खाई में गिर गयी। पुलिस और स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत से गंभीर घायल महिला को खाई से बाहर निकालकर अस्पताल तक पहुंचाया। थाना बाह बाजार देवप्रयाग के पौड़ी मार्ग स्थित सिराला गांव में कोटला मुबारकपुर दिल्ली निवासी 35 वर्षीय सुनीता देवी अपने पति विजयपाल के साथ घूमने आई थी।

एगासर कौथिग में महिलाओं ने दी थड़िया, चौफला की मनमोहक प्रस्तुति

अनुरागी ब्रदर्श और जित्तू पहाड़ी के गीतो ने बांधा समा

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : बैसाखी के अवसर पर एकेश्वर महादेव मंदिर में दो दिवसीय कौथिग के प्रथम दिवस में लोक संस्कृति की झलक दिखी। कौथिग में हास्य कलाकार संदीप छिलबट के चुटकुलों पर लोगो ने खूब तालियां बजाईं। उन्होंने इस तरह के आयोजकों को उत्तराखंड की संस्कृति के संरक्षण के लिए आवश्यक बताया। कौथिग में प्रसिद्ध स्थानीय लोक कलाकार जित्तू पहाड़ी ने अपने गीत तू बांध कुमौ गढ़ की से समा बांधा तो प्रसिद्ध लोक कलाकार अनुरागी ब्रदर्श ने देवता एगासर देवता गीत से लोगों को भाव विभोर किया।

मेले के आयोजक समाज सेवक नरेंद्र नेगी और जिला पंचायत सदस्य आरती नेगी द्वारा दीप प्रज्वलित कर मेले का शुभारंभ किया गया। कौथिग में दो दर्जन से अधिक ग्राम सभाओं के महिला मंगल दल द्वारा थड़िया, चौफला, लोक गीतों एवं लोक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। वहीं राजकीय इंटर कॉलेज एकेश्वर, बालिका इंटर कॉलेज एकेश्वर, अटल आदर्श इंटर कालेज श्रीकोटखाल के छात्र-छात्राओं द्वारा मनमोहक प्रतुति दी गई। इस अवसर पर मेला समिति के अध्यक्ष नरेंद्र नेगी ने कहा कि एकेश्वर कौथिग को पुराने स्वरूप में लौटने के लिए हम सबको मिलकर काम करना होगा। इसी से हम पहाड़ी संस्कृति को जीवित रख पाएंगे। इस मौके पर नरेंद्र नेगी पूर्व अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक, नरेंद्र डंडरियाल पूर्व प्रमुख, हरीश बडोला, प्रकाश जदली, संजय डबराल, कुलदीप किशोर जोशी, तेजपाल पंवार, अशोक पुंडीर, सुनील रावत सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

लोकगायक मंगलेश और हेमा आज देगें लोकगीतों की प्रस्तुति

मेला समिति के अध्यक्ष नरेंद्र नेगी ने बताया कि रविवार को कौथिग के दूसरे दिन लोक गायक मंगलेश डंगवाल और लोक गायिका हेमा नेगी कराशि द्वारा लोकगीतों एवं जागरों की प्रस्तुति दी जाएगी। उन्होंने क्षेत्रीय जनता से अधिक से अधिक संख्या में कौथिग में पहुंचने की अपील की। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य आरती नेगी द्वारा विशाल भण्डारे का आयोजन किया जाएगा। .

चुनाव ड्यूटी पर तैनात कार्मिकों ने पोस्टल बैलेट से किया मतदान

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : लोकसभा चुनाव के अंतर्गत शनिवार को जनपद चमोली में पुलिस के जवानों एवं आवश्यक सेवाओं से जुड़े कार्मिकों ने सुविधा केंद्र में पोस्टल बैलेट से अपना मतदान किया। चुनाव आयोग द्वारा ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों, अधिकारियों, सेना या अर्द्धसैनिक बलों के अलावा आवश्यक सेवाओं से जुड़े विभागीय कार्मिकों को भी इस बार डाक मतपत्र से मतदान की सुविधा दी गई है। ताकि कोई भी मतदाता मतदान से वंचित न रह सके। आवश्यक सेवाओं में बिजली, पानी, रोडवेज, डेयरी, फायर फाइटर, चिकित्सा, शिक्षा आदि सहित पहली बार मीडिया कर्मियों को भी इस श्रेणी में रखते हुए डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान की सुविधा दी गई है। चमोली जनपद में चुनाव ड्यूटी पर तैनात पुलिस जवानों के लिए राइका गोपेश्वर और आवश्यक सेवा से जुड़े कार्मिकों के लिए पीजी कॉलेज गोपेश्वर में डाक मतपत्र से मतदान हेतु सुविधा केंद्र बनाया गया। इन मतदान केंद्रों पर शनिवार सुबह 9 से सायं 5 बजे तक डाक मतपत्र से मतदान संपन्न कराया गया। डाक मतपत्र के लिए 191 पुलिस जवानों ने आवेदन किया था। जिसमें से शनिवार को सुविधा केंद्र में 154 जवानों ने अपना मतदान किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बूथों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को निष्पक्ष, पारदर्शिता एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपादित कराने के लिए बनाए जा रहे मॉडल मतदान केंद्रों एवं मतदान केंद्रों में की जाने वाली व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं का शनिवार को जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ गहरवार ने रुद्रप्रयाग शहर के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर जायजा लिया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने श्री 108-स्वामी सच्चिदानंद इंटर कॉलेज में बनाए जा रहे महिला मॉडल पोलिंग बूथ का निरीक्षण कर बूथ में उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं के लिए संबंधित अधिकारियों को तत्परता से आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि महिला मॉडल बूथ को आकर्षित ढंग से इसकी सजावट की

जाए, महिलाओं एवं बच्चों के लिए बैठने की उचित प्रबंधन किया जाए तथा बच्चों के लिए झूलों की भी व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही खानपान का भी उचित प्रबंधन किया जाए। उन्होंने पोलिंग स्टेशन में गेट, टैंट व्यवस्था एवं 3-4 स्थानों पर सेल्फी प्वाइंट की भी उचित व्यवस्था की जाए जिससे कि मतदान बूथ पर आने वाले मतदाताओं को खुशी की अनुभूति हो सके। इसके साथ ही जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय रुद्रप्रयाग, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज रुद्रप्रयाग एवं राजकीय प्राथमिक विद्यालय रैंतोली के मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर विद्युत, पेयजल, शौचालय आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने उप जिलाधिकारी एवं संबंधित बीएलओ को मतदान केंद्रों में की जाने वाली तैयारियों एवं आवश्यक व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग आशीष घिल्डियाल, पुलिस उपाधीक्षक प्रबोध कुमार घिल्डियाल सहित संबंधित बीएलओ एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने चमोली में चुनाव तैयारियां का लिया जायजा

लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के दिए निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी मुक्ता मिश्र ने शनिवार को जनपद चमोली का दौरा कर सभी नोडल अधिकारियों के साथ लोकसभा चुनाव तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में मत प्रतिशत बढ़ाने के लिए वोटर जागरूकता कार्यक्रम पर विशेष ध्यान रखा जाए।

उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि बीएलओ के माध्यम से मतदाताओं से संपर्क बढ़ाते हुए मतदाताओं को 19 अप्रैल को मतदान के लिए प्रेरित करें। दिव्यांग एवं बुजुर्ग नागरिकों को बूथ तक पहुंचने के सुगम प्रबंध किए जाए। चुनाव ड्यूटी पर तैनात कार्मिकों को पोस्टल बैलेट और ईडीसी के माध्यम से शत प्रतिशत मतदान कराया जाए। कोई भी मतदाता पीछे न छूटे, इसके लिए सभी

संभव प्रयास किए जाए। उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने पोलिंग बूथों की जानकारी लेते हुए चुनाव व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने पोलिंग बूथों पर आवश्यक जानकारी चस्पा करने, शैडो एरिया वाले बूथों पर संचार व्यवस्था का उचित प्रबंधन तथा निर्वाचन के दौरान वेबकास्टिंग वाले बूथों पर ट्रायल रन पूरा करते हुए इसका सर्टीफिकेट उपलब्ध को कहा। उन्होंने कहा कि मतदान गतिविधियों की मॉनिटरिंग के लिए पीडीएमएस कार्मिकों को प्रशिक्षित किया जाए। सभी पीठासीन अधिकारियों के मोबाइल में पीडीएमएस एप इंस्टॉल कराया जाए। प्रत्येक पीठासीन अधिकारी के बैग में हेल्थ किट सहित बूथ हेल्थ मैनेजमेंट प्लान जरूर रखा जाए। एफएसटी, एसएसटी, वीएसटी टीमों को सक्रिय किया जाए। सी–विजिल पर प्राप्त शिकायतों पर नोटिस जारी करते हुए त्वरित कार्रवाई की जाए।

जलापूर्ति बाधित होने से श्रद्धालु परेशान

नई टिहरी : वैशाखी पर्व के मद्देनजर यहां पहुंचे श्रद्धालुओं को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

नगर क्षेत्र में जलापूर्ति पूरी तरह ठप होने से यहां शुक्रवार रात पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालुओं को शौच आदि के लिए काफी मुश्किलें झेलनी पड़ी। बच्चे, महिला, बुजुर्गों को पानी के लिए भटकना पड़ा।

स्थानीय लोगों ने घरों में जमा पानी श्रद्धालुओं को दिया। यहां सार्वजनिक शौचालय सहित होटल और धर्मशालाओं में पानी पूरी तरह खत्म होने से लोगों को शनिवार सुबह खासी मुश्किलें झेलनी पड़ी। नगरवासियों को नदियों व हैंडपंपों से पानी ढोना पड़ा। पानी की किल्लत से यहां आयोजित शादी समारोहों में भी लोगों को मुश्किल झेलनी पड़ी। जलापूर्ति को लेकर संबंधित विभागों के फोन बंद होने से लोगों की शिकायत भी नहीं सुनी जा सकी। (एजेंसी)

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बूथों का किया निरीक्षण

नई टिहरी : जिला निर्वाचन अधिकारी मयूर दीक्षित ने टिहरी विधानसभा के विभिन्न पोलिंग बूथों का निरीक्षण कर वहां व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बूथों पर बिजली, पानी, शौचालय, रैंप आदि की व्यवस्था के लिए एक बार फिर अधिकारियों से निरीक्षण करने के निर्देश दिए। शनिवार को डीएम मयूर ने इंटर कॉलेज सुरकंडा, जीआईसी ठांगधार, प्राथमिक विद्यालय चोपड़ियाल गांव, खुरेत, आराकोट, जड़ीपानी आदि मतदेय स्थलों का जोनल, सेक्टर मजिस्ट्रेटों के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि चुनाव के लिए एक सप्ताह से भी कम का समय रह गया है। ऐसे में पोलिंग बूथों पर जरूरी सुविधाओं का फिर से मिलान कर लें। यदि कोई दिक्कत है तो तत्काल उसे एक-दो दिन में दूर किया जाए। डीएम ने पोलिंग पार्टियों के लिए बूथों पर रात्रि विश्राम की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने एसडीएम टिहरी संदीप कुमार को निर्देश दिए कि सभी राजस्व उप निरीक्षकों को इसकी व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहें। डीएम ने कहा कि पोलिंग बूथ पर जाने वाले रास्तों का भी निरीक्षण कर लें। गर्भवती महिलाओं, बुजुर्ग मतदाताओं को मतदेय स्थल तक पहुंचने के लिए डोली की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने मतदान कार्मिकों से स्वीप गतिविधियों को तेज करने के निर्देश दिए। इस मौके पर सेक्टर मजिस्ट्रेट काणाताल अनिल मीणा, तहसीलदार राजकुमार, राजस्व उपनिरीक्षक पीएस राणा, बीएलओ जशोदा तोमर, दीपमाला, उषा नेगी, मोहम्मद अयूब, मंजू, आनंदी देवी, जमीला, लीला देवी, एएनएम रीना, आशा कार्यकर्ता आशा देवी, मीनाक्षी डबराल मौजूद रहे। (एजेंसी)

देवप्रयाग विस क्षेत्र में 148 केंद्रों पर होगा मतदान

श्रीनगर गढ़वाल : लोकसभा चुनाव को लेकर देवप्रयाग विधानसभा में 148 मतदेय स्थल बनाए गए हैं। कीर्तिनगर की एसडीएम एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर सोनिया पंत ने बताया कि देवप्रयाग विधानसभा के अंतर्गत 84 हजार 662 मतदाता हैं।

जिसमें 43242 पुरुष, 41416 महिलाएं और 4 अन्य हैं। जबकि कुल सेवायोजित मतदाताओं में 1652 पुरुष और 17 महिलाएं हैं। देवप्रयाग में 1220 दिव्यांग मतदाता, जबकि 18 आयु वर्ग के 1270 नए मतदाता हैं। पंत ने बताया कि देवप्रयाग क्षेत्र के अंतर्गत 148 मतदेय स्थल बनाये गये हैं, जिसमें से 20 बूथ 4 किमी., 2 किमी. और 12 किमी. की दूरी पर स्थित हैं। जबकि राजकीय प्राथमिक विद्यालय मछियारी, राजकीय प्राथमिक राड़ागाड़ और राजकीय प्राथमिक विद्यालय मणजूली क्षेत्र के सबसे दूरस्थ बूथ हैं।

बताया कि राजकीय प्राथमिक विद्यालय देवप्रयाग को सखी बूथ बनाया गया है। अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज कीर्तिनगर में दो दिव्यांग बूथ बनाए गए हैं।

राआइंका किलकिलेश्वर थापली में 3 मॉडल बूथ बनाए गए हैं। सोनिया पंत ने बताया कि भासों में सबसे कम 56 और फुलासी में 58 मतदाता ही मतदान करेंगे। जबकि बूथ नंबर 105 रानीहाट-नैथाणा में 1200 और बूथ नंबर 70 में 1110 सर्वाधिक वोटर मत का प्रयोग करेंगे। (एजेंसी)

रन फॉर वोट' के लिए दौड़े पुलिस के अफसर और जवान

देहरादून।लोकसभा चुनाव में लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए आयोजित वॉकथोन 'रन फॉर वोट' में पुलिस अफसर और जवानों ने दौड़ लगाई। इस दौरान लोगों को मताधिकार का प्रयोग करने के की शपथ दिलाई गई। पुलिस लाइन देहरादून में शनिवार को आयोजित वॉकथोन कार्यक्रम का मुख्य चुनाव आयुक्त उत्तराखंड बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने शुभारंभ किया। उन्होंने प्रतिभागियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दौड़ पुलिस लाइन से शुरू होकर नेगी तिराहा, दामिनी चौक, आराघर टी जंक्शन, आराघर द्वारिका स्टोर, सिटी हार्ट हॉस्पिटल, एमकेपी चौक, पीएनबी बैंक, बन्नू स्कूल चौक होते हुए वापस पुलिस लाइन में समाप्त हुई। दौड़ में पुलिस कर्मी परिवार समेत शामिल हुए। मुख्य चुनाव आयुक्त पुरुषोत्तम ने सभी को मतदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मताधिकार करना एक नागरिक की जिम्मेदारी है। इसलिए हम सभी को खुद भी मतदान करना चाहिए, और लोगों को भी इसके लिए जागरूक करना चाहिए।

सीडीओ ने नीती घाटी के मतदाता केंद्रों का किया स्थलीय निरीक्षण

मतदान केंद्रों पर व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को जिला प्रशासन की ओर से अंतिम रुप दिया जा रहा है। जिसके तहत मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने जिले के सीमांत विकासखंड जोशीमठ की नीती घाटी के मतदान केंद्रों को स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिला प्रशासन चमोली की ओर आगामी 19 अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए तैयारियां तेज कर दी गई है।

मतदान दिवस की तैयारियों को लेकर सीडीओ अभिनव शाह ने जोशीमठ की नीती घाटी के बूथ संख्या 12 राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज बड़ागांव, बूथ संख्या 13 राजकीय प्राथमिक विद्यालय मेरग, बूथ संख्या 14 राजकीय प्राथमिक विद्यालय रविग्राम, बूथ संख्या 16 राजकीय प्राथमिक विद्यालय परसारी और नगर पालिका परिषद जोशीमठ के भवन पर बनाए गए मतदान केंद्रों का स्थलीय निरक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को मतदान केंद्रों पर पेयजल, शौचालय के साथ ही वरिष्ठ मतदाताओं के बैठने और सक्षम अभियान के तहत वरिष्ठ और दिव्यांग मतदाताओं को दी जाने वाली सुविधाओं के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी मोहन जोशी के साथ ही संबंधित बीएलओ मौजूद थे।

बीएलओ ने किया मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान के लिये प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 में शत प्रतिशत मतदान के लिये चमोली जिले में स्वीप की ओर से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। शनिवार को जिले में बीएलओ ने घर-घर संपर्क अभियान के माध्यम से मतदाताओं शत प्रतिशत मतदान के लिए जागरूक किया।

स्वीप कार्यक्रम के तहत शनिवार को बद्रीनाथ, थराली और कर्णप्रयाग विधानसभा क्षेत्रों के ग्रामीण क्षेत्रों में बीएलओ की ओर से घर-घर संपर्क अभियान संचालित किए गए। इस दौरान बीएलओ ने मतदाताओं को शत-प्रतिशत मतदान के लिये प्रेरित कर मतदाता शपथ दिलाई।

दूसरी दिव्यांग एवं वृद्ध मतदाता जागरूकता रथ से चमोली, नंदप्रयाग, कर्णप्रयाग, नौटी, कनोठ, नंदासैंण में

मतदाता जागरूकता अभियान संचालित किया गया। इस दौरान स्वीप कार्मिकों ने मतदाताओं को वोटर कार्ड न होने पर मतदान के लिये भारत निर्वाचन आयोग की ओर से चिन्हित दस्तावेजों और सक्षम एप के माध्यम से दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों को मतदान दिवस के दिन मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। जिले में स्वीप रेडियो पॉडकास्ट के माध्यम से मतदाताओं से चर्चा करते हुए कार्मिकों ने उनकी शंकाओं का समाधान भी किया। इस मौके पर स्वीप के सह समन्वयक डा. दर्शन नेगी, अनूप खंडूरी, सुनील पुंडीर, सजीव बुटोला और सुरेंद्र सिंह राणा आदि मौजूद थे।

भाजपा रिकार्ड मतों से जीत रही पांचों सीट : तीरथ रावत

देहरादून।पूर्व मुख्यमंत्री और गढ़वाल सांसद तीरथ रावत ने कहा कि भाजपा लोकसभा चुनावों में राज्य की पांचों सीटों को रिकार्ड मतों से जीत रही है। शनिवार को रिस्पना पुल के समीप भाजपा के चुनावी मीडिया सेंटर में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान तीरथ रावत ने बताया कि वह लगातार विभिन्न क्षेत्रों में जनता के बीच जा रहे हैं। इस दौरान उन्हें जो महसूस हुआ उसके आधार पर कह सकते हैं कि राज्य के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर देश का प्रधानमंत्री बनाने के लिए वोट करने जा रहे हैं। उन्होंने इस दौरान दावा किया कि पिछले दस सालों के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के लिए अनेक बड़े कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी की वजह से ही पहाड़ में ट्रेन मुमकिन हो पा रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में चारधाम तक भी रेल लाइन का विकास हो जाएगा। तीरथ ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना की है और इसे साकार करने के लिए पूरी देवभूमि उनके साथ है। मुझे पार्टी ने उम्मीद से ज्यादा दिया : पत्रकारों ने तीरथ से उनके टिकट काटे जाने पर पूछा तो वह बोले कि पार्टी ने उन्हें उम्मीद से बहुत ज्यादा दिया है। उन्होंने कहा कि संगठन में ऐसा कोई पद नहीं है जिस पर उन्होंने काम नहीं किया। एमएलसी, विधायक, मंत्री, सांसद और मुख्यमंत्री सभी कुछ बनाया। ऐसे में टिकट काटे जाने का सवाल नहीं है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com